राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार 24 मई 2023 वर्ष-6,अंक-119 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

100 साल बाद देश को मिलने जा रहा नया संसद भवन, उद्घाटन से पहले कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार पर लगाया बड़ा आरोप

नई दिल्ली। नए संसद भवन के उद्घाटन का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने कहा कि राष्ट्रपति जो संसद के प्रमुख हैं, को प्रमुख आयोजनों से बाहर करना संवैधानिक रूप से सही नहीं है। कांग्रेस पार्टी ने केंद्र पर आरोप लगाते हुए कहा कि नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति को आमंत्रित भी नहीं किया गया÷ है। आनंद शर्मा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, ÷संसद के प्रमुख, भारत के राष्ट्रपति को शिलान्यास से लेकर अब उद्घाटन के लिए संसद के बारे में एक बड़ा फैसला लेना संवैधानिक रूप से सही नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि अनुच्छेद 79 यह क्रिस्टल स्पष्ट करता है कि संसद में भारत के राष्ट्रपति, संसद के प्रमुख और दोनों सदन शामिल हैं। इससे पहले रविवार को पूर्व सांसद राहुल गांधी ने कहा था कि नवनिर्मित संसद भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री को नहीं बल्कि राष्ट्रपति को करना चाहिए। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को नवनिर्मित संसद भवन देश को समर्पित करेंगे। लोकसभा की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि राष्ट्रीय राजधानी में नए संसद भवन का निर्माण पूरा हो गया है और यह आत्मनिर्भर भारत की भावना का प्रतीक है। संसद का वर्तमान भवन 1927 में बनकर तैयार हुआ था और अब लगभग 100 साल पुराना होने जा रहा है। वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार इस भवन में जगह की कमी अनुभव की जा रही थी। दोनों सदनों में सांसदों के बैठने के लिए सुविधाजनक व्यवस्था का भी अभाव था, जिससे सदस्यों की कार्यकुशलता प्रभावित हो रही थी। लोकसभा और राज्यसभा दोनों ने प्रस्ताव पारित कर सरकार से संसद के लिए एक नया भवन बनाने का आग्रह किया। नए संसद भवन की आधारशिला 10 दिसंबर, 2020 को प्रधान मंत्री मोदी द्वारा रखी गई थी। नवनिर्मित संसद भवन गुणवत्ता निर्माण के साथ रिकॉर्ड समय में बनाया गया है।

18 साल का होने पर खुद बन जाएगा वोटर कार्ड, मानसून सत्र में मोदी सरकार लाने जा रही बिल

नई दिल्ली। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार संसद के आगामी मानसून सत्र में एक बिल पेश करने जा रही है, जो रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया (महापंजीयक) को राष्ट्रीय स्तर पर जन्म और मृत्यु के पंजीयन का एक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाए रखने की अनुमति देगा। इस डेटा का इस्तेमाल मतदाता सूची, जनसंख्या रजिस्टर, आधार, पासपोर्ट, राशन कार्ड आदि को अपडेट करने के लिए किया जा सकता है। सबसे खास बात यह है कि 18 साल का होने पर खुद ब खुद वोटर कार्ड बन जाएगा और लोगों को इसके लिए निर्वाचन कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि यह कदम देश में विकास को सुव्यवस्थित करेगा। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि अगली जनगणना इलेक्ट्रॉनिक रूप में होगी, जो विकास योजनाओं को समाज के हर वर्ग तक ले जाने के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। शाह ने दिल्ली में जनगणना भवन या जनगणना भवन का उद्घाटन करते हुए कहा, हम जन्म, मृत्यु और जनगणना से संबंधित डेटा के साथ विकास को सुव्यवस्थित करने के लिए संसद में एक विधेयक लाने जा रहे हैं। भारत के महापंजीयक भी जन्म और मृत्यु के पंजीकरण के अधिकारी होंगे।

18 साल को होते ही खुद बन जाएगा वोटर कार्ड

शाह ने कहा कि इस बदलाव से चुनाव आयोग एक सॉफ्टवेयर के जरिए रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया के कार्यालय और डेटा बेस से जुड़ा होगा और जब कभी किसी मतदाता की मौत होगी, उसकी सूचना स्वत- साफ्टवेयर के जरिए चुनाव आयोग तक पहुंच जाएगी। आयोग मतदाता की मृत्यु की सूचना के तुरंत बाद उसके नाम को मतदाता सूची से काटने की उचित

प्रक्रिया अपनाएगा। शाह ने कहा कि ठीक इसी तरह किसी की उम्र 18 वर्ष होते ही मतदाता सूची में उसका नाम नए मतदाता के तौर पर स्वत- शामिल कर लिया जाएगा और उसका वोटर कार्ड बन जाएगा।

रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया की शक्ति बढ़ेगी

बता दें कि मौजूदा समय में जन्म और मृत्यु रजिस्टर राज्य स्तर पर संबंधित मुख्य रजिस्ट्रार द्वारा बनाकर रखा जाता है। प्रस्तावित विधेयक से परिचित लोगों ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 में प्रस्तावित संशोधनों का जिक्र कर रहे हैं, जिसमें कहा गया है कि रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया राष्ट्रीय स्तर पर पंजीकृत जन्म और मृत्यु का डेटाबेस बनाए रख सकता है और केंद्र सरकार के अनुमोदन से उसका उपयोग किया जा सकता है।

किन-किन कानूनों के तहत डेटा बेस होगा अपडेट

नए संशोधित बिल के प्रावधानों के मुताबिक, महापंजीयक नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत तैयार जनसंख्या रजिस्टर को अद्यतन करने के लिए; जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत तैयार निर्वाचक रजिस्टर या मतदाता सूची; आधार अधिनियम, 2016 के तहत तैयार किया गया आधार डेटाबेस, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 (एनएफएसए) के तहत तैयार राशन कार्ड डेटाबेस; पासपोर्ट अधिनियम के तहत तैयार किया गया पासपोर्ट डाटाबेस; और मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम, 2019 के तहत ड्राइविंग लाइसेंस डेटाबेस और राष्ट्रीय स्तर पर अन्य डेटाबेस को अपडेट कर सकते हैं।

कहां-कहां जरूरी होगा जन्म पंजीयन

नाम न छापने की शर्त पर एक अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित संशोधन में कहा गया है कि शैक्षिक संस्थानों में प्रवेश के लिए जन्म और मृत्यु पंजीकरण डेटा आवश्यक होगा। इसके अलावा ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने, मतदाता सूची तैयार करने, विवाह का पंजीकरण, केंद्र सरकार या राज्य सरकार में नियुक्ति या स्थानीय निकाय और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में नियुक्ति;अथवा पासपोर्ट आदि बनवाने में भी जन्म पंजीकरण डेटा जरूरी होगा।

चार दिन में मार गिराया गया पांचवां पाकिस्तानी ड्रोन, 14 करोड़ की हेरोइन मिली

अमृतसर। अमृतसर में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर बार-बार ड्रोन की घुसपैठ हो रही है, जिसे बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स लगातार नाकामयाब कर रही है। बीती रात भी जवानों ने पाकिस्तानी तस्करों की और से भेजे गए एक और ड्रोन को मार गिराया। जवानों ने ड्रोन के साथ हेरोइन की खेप को भी जब्त किया है, जिसकी इंटरनेशनल वेल्यू तकरीबन 14 करोड़ रुपए है। बीएसएफ के जवानों ने चार दिनों में अमृतसर सेक्टर में यह 5वां ड्रोन गिराया है।

ड्रोन के साथ हेरोइन के दो पैकेट बंधे थे

बीएसएफ के जवान रात को अमृतसर में बॉर्डर आउट पोस्ट राजाताल के अंतर्गत आती सरहदी गांव भैणी राजपूताना में लगश्त कर रहे थे। बीएसएफ की बटालियन 144 के जवानों ने रात तकरीबन 10 बजे ड्रोन की आवाज सुनाई दी। जवानों ने फायरिंग शुरू कर दी। कुछ समय बाद ही ड्रोन की आवाज भी बंद हो गई। इलाके को सील कर सर्च अभियान शुरू कर दिया गया। बीएसएफ कमांडेंट अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि खेतों में ड्रोन गिरा मिला जिसके साथ एक थैला बांधा गया था। जिसे खोला तो उसमें से 2 पैकेट

हेरोइन के बरामद किए गए हैं। जिसमें 2.1 किलो हेरोइन मिली।

एक ही किस्म के ड्रोन की हो रही घुसपैठ

अमृतसर सेक्टर में पाकिस्तानी तस्कर एक ही किस्म के ड्रोन से नशे की तस्करी को अंजाम देने की कोशिश कर रहे हैं। बीएसएफ की तरफ से मार गिराए गए इस ड्रोन की किस्म भी डीजेआई मेट्रिस 300 आरकेटी है। यह भी वही ड्रोन है, जिसे बीते दिनों भी रिकवर किया गया था। यह ड्रोन छोटा, लंबी दूरी तक जाने वाला व डबल बैटरी वाला है जो काफी देर तक उड़ान भरने में सक्षम है। इसी वजह से पाकिस्तानी तस्कर इसका प्रयोग अधिक कर रहे हैं। छोटी व कम वजन की खेप को यह ड्रोन आसानी से सरहद पार करवा देता है। यह 3 से 5 किलो तक का वजन उठा सकता है।

इतिहास बन जाएगी मुंबई लोकल ट्रेन! मिलने वाली है वंदे भारत मेट्रो

मुंबई। मुंबई की लाइफलाइन मानी जाने वाली मुंबई लोकल ट्रेन जल्द ही इतिहास बन जाएगी? भविष्य में हकीकत में ऐसा होने की संभावना है। क्योंकि, मुंबई रेलवे विकास निगम ने 238 वंदे भारत मेट्रो ट्रेनों की खरीद को मंजूरी दे दी है। इसे उपनगरीय रेल नेटवर्क की उन्नति दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। जानते हैं कि कब तक यह सेवा शुरू हो जाएगी और इसका रूट और टाइमिंग क्या होगा? मुंबई रेलवे विकास निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मुंबई में स्थानीय स्तर पर 238 वंदे भारत मेट्रो ट्रेनें जल्द शुरू की जाएंगी। ये रेक मुंबई अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट-III और 3ए

(एमयूटीपी-3ए) के तहत खरीदे जाने हैं। सबसे खास बात यह है कि इनकी मैन्युफैक्चरिंग मेक इन इंडिया की गाइडलाइंस के मुताबिक की जाएगी। रेलवे नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने के लिए यह परियोजना रेल मंत्रालय और महाराष्ट्र सरकार के तहत लागू की जाएगी। उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं पर 10,947 करोड़ रुपये और 33,690 करोड़ रुपये खर्च होंगे। वंदे भारत मेट्रो भारत की पहली स्वदेशी सेमी-हाई स्पीड ट्रेन है। यह वंदे भारत एक्सप्रेस का मिनी वर्जन होगी। वंदे भारत मेट्रो ट्रेन की घोषणा केंद्रीय बजट 2023-24 में की गई थी। रेलवे द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, वंदे भारत मेट्रो में अत्याधुनिक रेक होंगे। ये 100 किमी से कम दूरी वाले शहरों से जुड़े होंगे।

कब तक होंगी तैयार, कब-कब चलेंगी

वंदे मेट्रो लोकल ट्रेनों में भीड़ कम करने में मदद करेगी और मुंबईवासियों के लिए यह अच्छी खबर है। यह ट्रेन दिसंबर तक बनकर तैयार हो जाएगी। इसलिए यह ट्रेन एक ही रूट पर दिन में 4-5 बार चलेगी। सामान्य वंदे भारत ट्रेन में 16 कोच होते हैं लेकिन इस ट्रेन में 8 कोच होंगे। इससे मजदूर वर्ग और छात्र कम समय में एक शहर से दूसरे शहर जा सकेंगे। विश्व स्तरीय परिवहन सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

नागपुर-पुणे हाईवे पर बस और ट्रक की टक्कर में 7 लोगों की मौत, 13 घायल

नागपुर। महाराष्ट्र के बुल्ढाणा में नागपुर-पुणे हाईवे पर बस और ट्रक की टक्कर में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 13 लोग घायल हुए। बस पुणे से महकर जा रही थी, जब उसे सामने से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, बीती रात 11 बजे महाराष्ट्र के अमरावती जिले में एक तेज रफ्तार ट्रक ने एसयूवी कार को टक्कर मार दी थी। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि सात घायल हो गए। ये हादसा मुंबई से लगभग 650 किलोमीटर दूर अमरावती में दरियापुर-अंजनगांव रोड पर हुआ। अधिकारी ने कहा कि सभी लोग फैमिली फंक्शन में शामिल होने के बाद दरियापुर लौट रहे थे।

भारत जोड़ो के बाद 'ट्रक यात्रा' पर निकले राहुल गांधी, देर रात की सवारी

नई दिल्ली। भारत जोड़ो यात्रा के बाद अब कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ट्रक यात्रा पर नजर आ रहे हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में देखा जा रहा है कि वह ट्रक में सवार होकर जनता से बातचीत कर रहे हैं। हाल ही में कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल की है। पार्टी ने 135 सीटों पर जीत के साथ सरकार बनाई। खबर है कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राजधानी दिल्ली से ट्रक के जरिए ही रवाना हुए थे और शिमला तक का सफर पूरा किया। इस दौरान उन्होंने अंबाला से चंडीगढ़ की दूरी ट्रक में तय की। कहा जा रहा है कि वायरल वीडियो सोमवार रात का

है। पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है कि ट्रक यात्रा के दौरान राहुल ने चालकों से बातचीत की थी।

अमेरिका जाने वाले हैं राहुल

हाल ही में लंदन दौरा कर चुके राहुल अब अमेरिका जाने की तैयारी कर रहे हैं। इस दौरान वह यूनिवर्सिटी के छात्रों से चर्चा करेंगे और एक बैठक में शामिल होंगे। एजेंसी भाषा के अनुसार, इंडियन ओवरसीज कांग्रेस ने रविवार को बताया कि राहुल का सैन फ्रांसिस्को, वाशिंगटन और न्यूयॉर्क जाने का कार्यक्रम है, जहां वह भारतीय अमेरिकियों की दो बैठकों को संबोधित कर सकते हैं, संसद भवन में सांसदों और थिंक टैंक के सदस्यों से मुलाकात कर सकते हैं साथ ही विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत कर सकते हैं। इन कार्यक्रमों को इंडियन ओवरसीज कांग्रेस आयोजित कर रहा है।

विपक्षी एकता की कवायद

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी एकता के मकसद से दिल्ली पहुंचे थे। यहां उन्होंने कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। इस बैठक में राहुल भी शामिल रहे। अब संभावनाएं जताई जा रही हैं कि राजनीतिक दल बड़ी बैठक को लेकर एक-दो दिनों में बड़ा ऐलान कर सकते हैं।

दिल्ली में टेंपरेचर 44 पर 51 डिग्री वाला टॉर्चर, आसमान से मिलने वाली है राहत

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली इन दिनों भीषण गर्मी लू का सामना कर रही है। चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं के चलते दिल्ली के 13 मौसम स्टेशनों में से पांच में सोमवार को 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान दर्ज किया गया। वहीं दिल्ली के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। मौसम विभाग (आईएमडी) ने अनुमान जताया है कि बुधवार से बारिश से कुछ राहत मिलने से पहले इसी तरह की स्थिति जारी रहेगी। दिल्ली के प्राथमिक मौसम केंद्र, सफदरजंग वेधशाला में अधिकतम तापमान 43.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से चार डिग्री अधिक और इस वर्ष अब तक का अधिकतम तापमान है। नजफगढ़ और और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (अक्षरधाम) में पारा 46.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे यह राजधानी का सबसे गर्म स्थान बन गए। वहीं, नरेला (45.3 डिग्री सेल्सियस), पीतमपुरा (45.8 डिग्री सेल्सियस) और पूसा (45.8 डिग्री सेल्सियस) में भी लू की स्थिति रही। सोमवार का अधिकतम तापमान रविवार को रिकॉर्ड किए गए 42.9 डिग्री सेल्सियस से अधिक था, जबकि हीट इंडेक्स (एचआई), या बोलचाल की भाषा में वास्तविक तापमान और भी गर्म था दोपहर 2:30 बजे, हवा का तापमान 42.6 डिग्री सेल्सियस के साथ संयुक्त था। 34 प्रतिशत की सापेक्ष आर्द्रता का मतलब है कि HI 51 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहा। यह रविवार को HI के 45 डिग्री सेल्सियस से काफी अधिक था।

कल से बारिश और ओले गिरने का अनुमान-आईएमडी ने कहा कि पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से बुधवार से उत्तर-पश्चिमी भारत के मैदानी इलाकों में बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाएं चलने का अनुमान है। इसके परिणामस्वरूप गुरुवार तक अधिकतम तापमान कम होकर 36 डिग्री सेल्सियस नीचे आ जाएगा। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, मंगलवार दोपहर तक इसी तरह की मौसम की स्थिति होने की संभावना है, लेकिन दोपहर बाद बूंदाबांदी होने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के मद्देनजर मौसम विभाग ने कहा कि बुधवार से और बारिश होगी और तापमान में गिरावट आएगी। इस महीने की शुरुआत में मौसम विभाग ने मई में उत्तर-पश्चिमी भारत में सामान्य से कम अधिकतम तापमान और लू की स्थिति के कम दिनों का अनुमान जताया था। आईएमडी ने दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन में थोड़ी देरी का अनुमान जताया है और इस दौरान लंबे समय तक अधिकतम तापमान के सामान्य से ऊपर रहने की संभावना है।

कब होती है लू की स्थिति

आईएमडी के अनुसार, हीटवेव (लू) की स्थिति तब होती है, जब अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक और सामान्य से 4.5 डिग्री अधिक या और अधिक होता है। सोमवार को, पांच स्टेशनों ने इस मानदंड को पूरा किया- नजफगढ़ और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (46.2 डिग्री सेल्सियस), पूसा (45.8 डिग्री सेल्सियस), पीतमपुरा (45.8 डिग्री सेल्सियस) और नरेला (45.3 डिग्री सेल्सियस) तापमान रिकॉर्ड किया गया। ऐतिहासिक रूप से दिल्ली में सफदरजंग में पिछ्ले कुछ वर्षों में मई में सोमवार की तुलना में अधिक अधिकतम तापमान देखा गया है। पिछ्ली साल मई को पारा 16 मई को 45.6 डिग्री सेल्सियस तक चला गया था। 2020 में यह 27 मई को 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था;

संपादकीय

सहज नोट वापसी

जब से 2,000 रुपये के नोट की विदाई तय हुई है, तब से लोगों के बीच नाना प्रकार की चर्चाएं चल रही हैं। इन चर्चाओं या अफवाहों को विराम देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने जो घोषणा की है, वह सामयिक और स्वागतयोग्य है। गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया कि 2,000 के नोट बदलने के लिए बैंकों में भीड़ लगाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि 30 सितंबर की समय-सीमा अभी चार महीने दूर है और भारतीय रिजर्व बैंक इस प्रक्रिया में आने वाले सभी मुद्दों के प्रति संवेदनशील रहेगा। मतलब, आने वाले समय में अगर नोटों को वापस लेने में कोई परेशानी आती है, तो रिजर्व बैंक तत्काल समाधान के लिए आगे आएगा। यह अच्छा है कि लोगों में फैली चिंता से रिजर्व बैंक पूरी तरह वाकिफ है। गवर्नर ने यह भी कहा है कि जब 2,000 रुपये के नोट चलन में थे, तब भी दुकानदारों में इन नोटों को स्वीकार करने को लेकर अनिच्छा थी। गवर्नर की यह स्वीकारोक्ति खास मायने रखती है। इससे पता चलता है कि 2,000 के नोटों को जिस तरह का समर्थन या विश्वास लोगों के बीच मिलना चाहिए था, वह नहीं मिला। ऐसे में, इन नोटों की वापसी का फैसला भूल सुधार ही नहीं, बल्कि नोटों पर लोगों की विश्वास बहाली की एक कोशिश भी है। रिजर्व बैंक ने कहा है कि 2,000 के नोट वापस लेने का फैसला सामान्य प्रक्रिया के तहत लिया गया है और स्वच्छ नोट की नीति के अनुरूप यह कदम लोगों को पर्याप्त समय देते हुए उठाया गया है। किसी तरह की जल्दी मचाने की जरूरत नहीं है। यह स्पष्टीकरण जरूरी था, क्योंकि अर्थव्यवस्था में ऐसे कई गलत तत्व हैं, जो ऐसे मौकों का गलत फायदा उठाते हैं। लोगों के भय से कमाई करने की दुष्प्रवृत्ति पिछली बार नोटबंदी के समय भी खूब देखी गई थी। नोट बदलने की प्रक्रिया में दलाली का चलन अनेक स्तरों पर देखा गया था। बैंककर्मी भी शामिल थे और कालाबाजारियों ने भी खूब चांदी काटी थी। इस बार नोट बदलने को लेकर रिजर्व बैंक ने कोई जल्दबाजी नहीं दिखाई है और न ही प्रधानमंत्री को घोषणा का अवसर देकर इसे अति-महत्वपूर्ण बनाया गया है। रिजर्व बैंक अपनी पिछली गलतियों से सीखकर आगे बढ़ा है। इस बार नोट वापसी के लिए पर्याप्त समय दिया गया है और इतने समय में आसानी से नोट वापसी संभव हो सकती है। आज से देश भर में 2,000 के नोटों को बदलने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। रिजर्व बैंक ने सभी तरह के आवश्यक निर्देश बैंकों को दे दिए हैं। रिजर्व बैंक ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि 2,000 के बदले लौटाने के लिए बैंकों के पास अन्य नोट पर्याप्त मात्रा में हैं, तो लोगों को जल्दी मचाने की जरूरत नहीं है। आरबीआई गवर्नर ने फिर यह दोहराया है कि ये नोट कानूनी निविदा बने रहेंगे। ये नोट मुख्य रूप से विमुद्रीकरण के बाद हटाए गए नोटों की भरपाई के लिए लाए गए थे और अब इनका मकसद पूरा हो गया है। बैंकों को नोट वापसी की पूरी व्यवस्था करने के लिए कहा गया है, ताकि लोगों को चिलचिलाती धूप में न खड़ा होना पड़े, उन्हें किसी तरह की असुविधा न हो। यह बैंकों के लिए भी परीक्षा की घड़ी है। ध्यान रहे, पिछली बार ज्यादातर बैंक भीड़ या अव्यवस्था को संभालने में लगभग विफल रहे थे, लेकिन इस बार उन्हें पूरी समझदारी से काम लेना होगा, ताकि कहीं भी लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सुशासन में बाधक केंद्र-राज्य टकराव

गुरबचन जगत

उम्मीद है दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच शहर की सिविल सेवाओं की निगरानी और नियंत्रण पर हक को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में दायर किए गए केस में आये फैसले से यह विवाद खत्म हो जाएगा। हालांकि दोनों पक्ष कानून के महत्त्वपूर्ण बिंदु गिनाकर अपना हक ज्यादा होने की बहस करते रहे हैं लेकिन एक साधारण आदमी के लिए यह विवाद सिरे से अनुचित है। एक वैधानिक रूप से निर्वाचित सरकार का काम प्रशासन चलाना और विकास कार्य करना होता है जिसके पास अपनी नीतियां लागू करने और अच्छा शासन देने के लिए विभिन्न श्रेणी की सिविल सेवाओं की सुविधा उपलब्ध होती है। कोई मंत्री विभाग मिलने के बाद, अपना काम मुख्यालय में सचिवों और जिलों में तैनात फील्ड स्टाफ की मार्फत चलाता है। शीर्ष से शुरू होकर, प्रशासनिक व्यवस्था का पदानुक्रम स्पष्ट है ः मुख्य मंत्री-मंत्री-सचिव-विभागाध्यक्ष... इत्यादि। राज्यपाल या उपराज्यपाल का ओहदा मुख्य तौर पर राज्य के संवैधानिक मुखिया का होता है। चूंकि दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का अंग है और केंद्रीय सरकार का मुख्यालय भी यहीं है, इसलिए यहां प्रशासनिक शक्ति के बंटवारे को लेकर सदा अस्पष्टता रही है, मसलन, इस मसले को लेकर कि सुरक्षा, आपूर्ति और योजना जैसे महकमे किसके अधीन हों। जब से दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, केंद्रीय गृह मंत्रालय समय-समय पर आदेश जारी करता आया है, नतीजतन शासन चलाने के अधिकार उप-राज्यपाल के हाथों में केंद्रित होते चले गए और निर्वाचित सरकार कमजोर बनती गई। इससे दिल्ली सरकार के लिए न केवल बदलियां और नियुक्तियां करने में अड़चनें पैदा हुईं बल्कि नीति निर्धारण और क्रियान्वयन में भी रोड़े अटके। इससे एक-दूसरे पर दोषारोपण और प्रत्युत्तर जमकर चले व आपसी कलह सार्वजनिक हुई। उम्मीद करते हैं कि अब सर्वोच्च न्यायालय ने इस विषय में फैसला दे दिया है- यूं भी हमारे पास इससे उच्च और कोई प्राधिकरण नहीं है। केंद्र-राज्य संबंध के बृहद प्रश्न की ओर पुनः लौटते हैं, यह ऐसा क्षेत्र हैं जिसमें ह्रास जारी है और जिसके परिणामस्वरूप विकास और प्रशासन दोनों ही प्रभावित होते हैं। आज भारत विश्व का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश और सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। देश के बतौर मध्य-आय वाले मुल्क में बदलाव के क्रम को बरकरार रखने के लिए जरूरी है कि आने वाले दशकों में भी यह विकास गाथा सतत और ऊर्जावान बनी रहे। करोड़ों लोगों को गरीबी और न्यून आय श्रेणी से ऊपर उठाना अत्यंत कठिन काम है। उतना ही दुरूह है, ग्रामीण समाज और कृषि आधारित आर्थिकी का बतौर शहरी और औद्योगिक रूपांतरण करना। नीति निर्धारण, व्यवस्था, जवाबदेही और सामान्य कानून-व्यवस्था संचालन हेतु संस्थानों का विकास और सुदृढ़ीकरण एक ऐसी बुनियाद है जिसपर कोई देश निर्मित होता है । इसके लिए केंद्र-राज्य संबंध अच्छे बने रहने की अहमियत बहुत है। विगत में विभिन्न राजनीतिक दलों की केंद्र सरकारें रही हैं, लेकिन सूबों की शक्ति धीरे-धीरे संकुचित करते हुए ताकत अपने पास केंद्रित करने की प्रवृत्ति सबकी रही है। केंद्र की एजेंसियों की भांति राज्यपाल का इस्तेमाल बतौर एक औजार सूबों के राजनीतिक मामलों में दखलअंदाजी करने में बढ़ता चला गया। राज्यपाल का ओहदा बनाने का मंतव्य था, भारत सरकार का प्रतिनिधि बनकर अपने संवैधानिक दायित्व निभाना और केंद्र-राज्य सरकार के बीच संबंधों को मधुर बनाना। आज अधिकांश राज्य सरकारों और राज्यपालों के बीच रिश्ते कटु हैं और यह बात सार्वजनिक रूप से सबको पता है। राजभवनों में जिस किस्म के राजमर्मज्ञ भाव की मौजूदगी होनी चाहिए, वह आज गायब है और राजनीतिक कार्यकर्ता बनने का रुझान हावी हो रहा है। इसलिए राज्य सरकारें एक अनुभवी और सक्षम शख्सियत की नेक सलाह से वंचित हैं। ज्यादातर यह वित्तीय मामले हैं जिनमें राज्यपाल-सूबे की सरकार के बीच तनातनी अधिक दिखाई देती है। हालांकि वित्त-प्रबंधन राज्यों का विषय है लेकिन राष्ट्रीय खजाने की चाबी केंद्र सरकार के हाथ में होने की वजह से अधिकांश सूबों को न्यायोचित और समान वितरण के लिए उसका मुंह ताकना पड़ता है। जीएसटी व्यवस्था लागू होने बाद यह लाचारी और अधिक बढ़ गयी। आपसी तनाव तब और उभरकर सामने आते हैं जब केंद्र और राज्यों में एक-दूसरे के विरोधी दलों की सरकारें सत्तासीन हों। ऐसे रिश्तों में परस्पर शक बहुत बढ़ जाता है। संबंधित राज्य सरकार को हमेशा लगता है कि उसके न्यायोचित हक से उसे वंचित रखा जा रहा है। यही वह क्षेत्र है जहां धन जारी करने में अधिक पारदर्शिता होना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर, जारी किए गए पैसे के खर्च को लेकर राज्य सरकार की उचित जवाबदेही होना जरूरी है। अनुभव दर्शाता है कि कि केंद्र सरकार के पास राज्यों द्वारा किये खर्च की निगरानी के लिए समुचित तंत्र नहीं है, नतीजतन, प्राप्त धन का दुरुपयोग होता है या अन्यत्र किसी मद में खर्च किया जाता है। धन वितरण और खर्च न्यायोचित हो और इनकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। एक अन्य क्षेत्र जिसमें केंद्र-राज्य सरकार के बीच धन और तालमेल में बहुत सुधार करने की आवश्यकता है, वह है आपदा प्रबंधन-प्राकृतिक हो अथवा मानव निर्मित। मसलन, मणिपुर में दंगा पीड़ितों का पुनर्वास-जब मैतेई, कुकी, पैते, ज़ोमी जाति को अन्य जगह पर बसाना पड़ा था। जरूरतमंद तक सहायता पहुंचाने को धन और एजेंसियों की जरूरत होती है और इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार को समर्थ बनना जरूरी है। उजड़े लोगों को हमेशा के लिए मलिन-बस्तियों में न रहना पड़े, जैसा कि हम अनेकानेक राज्यों में दंगा पीडितों के मामले में देखते हैं। वर्तमान में, पुनर्वास केवल उनकी चिंता है जो बेघर हुए पड़े हैं,जिन्हें अपने गांवों से खदेड़ दिया गया, घर जला दिए, उनके धार्मिक स्थल तबाह कर दिए गए। जहां तक मेरी जानकारी है, केंद्र अथवा राज्य के किसी राजनेता ने वास्तविक घटना स्थल का दौरा करके झुलसी धरती और बेघर हुए लोगों की सुध लेना गवारा नहीं किया- क्यों नहीं? यदि वे चुनावी प्रचार के लिए राज्य-राज्य घूम सकते हैं तो चूराचांदपुर क्यों नहीं? दुनियाभर में सत्ता की राजनीति में, जनता और स्रोतों पर नियंत्रण बनाना सरकारों के कर्म का हिस्सा और तरीका है। विकसित जगत और अन्य मुल्कों में एक फर्क है कि सरकार के विभिन्न अंगों के बीच शक्ति का वितरण कितना और कैसा है। कार्यपालिका, न्यायपालिका, मीडिया और विधायिका (और वे संस्थान जो इन मुख्य स्तंभों का हिस्सा हैं) को अपनी भूमिका सही ढंग से निभानी पड़ेगी। राजशक्ति का वितरण कुछ इस तरह हो कि सख्त निगरानी और संतुलन बना रहे और कोई एक संस्थान या व्यक्ति सर्व-शक्तिमान न बनने पाए। यदि केंद्र और राज्य सरकारें अपने कर्मों में उच्च शुचिता, दक्षता और नैतिकता दर्शाएं तो विकास और बढ़िया प्रशासन स्वतः हो जाएगा- इसके लिए चाहिए एक ऐसा नेतृत्व जो संविधान, देश के संस्थापक पुरखों के आदर्शों और लोगों की सेवा करने को प्रतिबद्ध हो।

लेखक मणिपुर के पूर्व राज्यपाल हैं।

दरिद्रनाथ की सेवा हो नायक की पहचान

सुनिल माथुर

सुधा नारायणमूर्ति की शख्सियत से कोई बिना प्रभावित हुए नहीं रह सकता। उन्होंने अपने गहने तक बेच डाले थे ताकि उनके पति एन. नारायणमूर्ति अपनी कंपनी खोल सकें। उन्होंने पति को पैसे देकर प्रेरित किया कि वे अपने हिस्से के आकाश को छू लें। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की सास सुधा मूर्ति जब कोई बात कहती हैं तो उसके पीछे उनके जीवन भर का अनुभव और दर्शन छिपा होता है। उन्होंने कुछ दिन पहले एक टीवी कार्यक्रम में उन लोगों को प्यार-प्यार में नसीहत दी जिनके लिए जीवन में धन ही सब कुछ होता है, पैसे के आगे शेष सभी चीजों को गौण मानते हैं वहीं जो उन स्त्रियों को भी दोयम दर्जे का ही मानते हैं जो साड़ी या सलवार-कमीज पहनती हैं। सुधा ने इस बाबत अपने साथ घटी एक घटना भी सुनायी। दरअसल, पैसा कमाने में कुछ भी गलत नहीं है। अब लोग पैसा कमा भी बहुत रहे हैं। भारत में ही तमाम नये-नये अरबपति सामने आ रहे हैं। इनकी संख्या हर वर्ष तेजी से बढ़ती चली जा रही है। पर किसी को सिर्फ इसीलिए तो आदर्श या नायक नहीं माना जा सकता कि उसने खूब सारा धन कमा लिया है। लेकिन, धन कमाकर उसका समाज व देश के लिए उपयोग किया जाना अहम ज़रूर माना जा सकता है। सुधा मूर्ति अपने धन को सैकड़ों करोड़ रुपये के घरों के निर्माण में नहीं फूंकतीं। वे दस-बारह कारें नहीं रखतीं। उनके लिए ज्ञान और छपे हुए शब्दों का विशेष महत्व है। हो सकता है आपने जितेन्द्र सिंह शंटी का नाम न सुना हो। पर वे किसी आदर्श से कम नहीं हैं। जबकि वे करोड़ोंपति भी नहीं हैं। उन्होंने कोरोना की दूसरी लहर के समय कोरोना रोगियों को बेड दिलवाने में दिन-रात एक कर दी थी। शंटी बीते 30 साल से राजधानी और इसके आसपास के शहरों में लावारिस शवों का अंतिम संस्कार करवा रहे हैं। उन्होंने अपने हाथों से सैकड़ों लावारिस लोगों का अंतिम संस्कार किया है। शंटी ने 100 से अधिक बार रक्तदान कर चुके हैं। ऐसे ही करीब चार दशक से राजधानी के राम मनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल) से जुड़े हुए डॉ राजीव सूद की अगुवाई में कोरोना की पहली और दूसरी लहर में उनके अस्पताल ने हजारों कोरोना रोगियों का इलाज करके घर भेजा था। इसी क्रम में वे खुद भी कोरोना की चपेट में आ गए थे। लेकिन ठीक हुए तो फिर जुट गए मरीजों का इलाज करने में। उस कठिन काल में जो कोई भी आया उसे सेहतमंद करने के लिए आरएमएल के डॉक्टरों और नर्सों ने अपनी जान लगा दी थी। हालांकि वे खुद को श्रेय देने से बचते हैं। सिर्फ इतना कहते हैं कि हमने जो किया वह फर्ज था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के 100 करोड़ कोरोना टीकों के लक्ष्य को हासिल करने के दौरान जब आरएमएल पहुंचे तो वहां डॉ. राजीव सूद और बाकी कोरोना वारियर्स से मुलाकात भी की थी। शंटी और डॉ. सूद का तो यहां पर उदाहरण दिया है। ये कोई करोड़ों के मालिक नहीं हैं। इन दोनों की तरह देशभर में सैकड़ों लोग निःस्वार्थ काम कर रहे हैं। ये तब भी सक्रिय थे जब सारा देश कोरोना के कारण त्राहि-त्राहि कर रहा था व अब भी एक्टिव हैं। बेशक इन्हें वो पहचान नहीं मिलती जिसके ये हकदार हैं। दरअसल, देश-दुनिया में आर्थिक उदारीकरण के बाद पैसे का महत्व बढ़ता ही जा रहा है। पैसा जरूरी है। इससे कोई इंकार नहीं कर सकता। पर क्या पैसा मनुष्यता से भी बड़ा हो गया? नहीं न। ऐसे बहुत धनकुबेर हैं जो लोक कल्याण कार्यों में अठन्नी भी नहीं देते। बेशक सपरिवार किसी रेस्तरां में बैठकर डिनर करने में हजारों रुपये खर्च कर दें पर वे अपने आसपास किसी लाइब्रेरी को पचास रुपये भी दान नहीं देते। ये जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को किताबें मुफ्त देने की भी आवश्यकता महसूस नहीं करते। इन्हें लगता है कि सालाना टैक्स अदा करके ये अपने देश के प्रति दायित्व का निर्वाह कर लेते हैं। ये सोच सही नहीं मानी जा सकती है। मैं तो उन्हें भी बहुत सम्मान देता हूं जो सुबह-शाम अस्पतालों के बाहर मरीजों और उनके परिवार वालों को भोजन करवा रहे होते हैं। ये भले लोग बिना किसी लाभ के दुखी का सहारा बन रहे होते हैं। दरअसल दीन-हीन का साथ देने के लिए हमेशा कोई बहुत पैसा वाला होना जरूरी नहीं। हरेक शहर में कुछ ऐसे अध्यापक मौजूद हैं जो निर्धन परिवार के बच्चों को पढ़ा रहे हैं। दरअसल, जरूरी है कि हमारा समाज सिर्फ उन लोगों को ही महत्व न दे जो मोटा पैसा कमा चुके हैं। हां, अगर धनी इंसान शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में भी अपने धन का कुछ हिस्सा दे रहा है तो उसकी प्रशंसा की जानी चाहिए। तुलसीदास, कबीर व गुरु नानक के दौर में भी भारत में कई धनी लोग थे, और राजा भी थे। उन्हें कौन याद करता है। पर इन संतों के प्रति हरेक भारतीय के मन में आदर का भाव है। दरअसल, भारत में दरिद्रनाथ की सेवा करने वालों को सदैव सम्मान मिलता रहा है और भविष्य में भी ऐसे ही मिलता रहेगा। लेखक स्वतंत्र पत्रकार है।

मणिपुर को लेकर केंद्र सरकार की चुप्पी आश्चर्यजनक

(लेखक - सनत जैन)

मणिपुर की राजधानी इंफाल में एक बार फिर से हिंसा भड़क गई है। कई क्षेत्रों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। कानून व्यवस्था की स्थिति को बनाए रखने के लिए सरकार ने सेना को तैनात कर दिया है। मेतई और कुकी समुदाय के बीच में हिंसक झड़पें हो रही हैं। 1 दिन पहले ही 131 साल पुराना ईसाई स्कूल जला दिया गया। मेतई और कुकी समुदाय के बीच लगातार हिंसक घटनाएं हो रही हैं। अफवाहों को रोकने के लिए एक बार फिर प्रशासन ने 5 दिन के लिए इंटरनेट की सेवाएं बंद कर दी हैं। इंटरनेट की सेवाएं बंद हो जाने के कारण स्थानीय लोगों को भारी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। इंटरनेट सेवाएं पहले भी 15 दिन बंद रही हैं। इंटरनेट बंद होने से ऑनलाइन लेन-देन नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण खाने- पीने की सामग्री भी मणिपुर के नागरिकों को नहीं मिल पा रही है। मणिपुर के लोग बहुत प्रतिभाशाली और मेहनती हैं। सिविल सेवाओं, सेना, खेलकूद,कला संस्कृति इत्यादि में मणिपुर के लोग अपनी आबादी की तुलना में, अन्य राज्यों से बहुत अच्छा प्रदर्शन पिछले वर्षों में किया हैं। 1980 के दशक में यहां पर बागी गुट पैदा हुए थे। लेकिन तत्कालीन केंद्र सरकार ने इसमें काबू पा लिया था। सीमावर्ती इस राज्य में 80 के दशक में समन्वय बनाने में तत्कालीन केंद्र सरकार की बड़ी भूमिका थी। उसके बाद से मणिपुर राज्य ने बड़ी तेजी के साथ राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सक्रियता और पहचान बनाई। मणिपुर के युवाओं ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन किया पूर्वोत्तर के राज्यों को भारत के अन्य राज्यों के साथ जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका थी। पिछले कुछ वर्षों से एक विशेष संगठन यहां पर सक्रिय था। उसने मेतई और कुकी समुदाय के बीच दूरियां बनाने के लिए सुनियोजित तरीके से काम किया। पूर्वोत्तर के राज्यों में राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने के लिए पहले दलबदल कराया गया। भाजपा ने पूर्वोत्तर राज्यों में अपनी सरकारें बनाई। सरकार बनने के बाद कुछ ऐसे निर्णय किए। जिसका असर मणिपुर के विभिन्न जातीय समुदायों के बीच अलगाववाद के रूप में पड़ा। जब चुनाव हुए तो भाजपा स्पष्ट बहुमत के साथ मणिपुर में सरकार बना पाई। उत्तर पूर्व के अधिकतर मुख्यमंत्री कांग्रेस की विचारधारा के हैं। हाल ही के वर्षों में दल-बदल के माध्यम से भाजपा ने सत्ता में अपनी पकड़ बनाने के लिए, मणिपुर और पूर्वोत्तर के राज्यों में विभिन्न जाति और समुदायों को एक दूसरे से अलग करने ओर उन्हें अपने पक्ष में लाने का प्रयास किया है। उसके कारण मणिपुर एक बार फिर आग की लपटों से जलने लगा है। मणिपुर में सत्ता पारंपरिक रूप से दबंग हिंदू मेतई समुदाय के पास रही है। 1963 में मणिपुर के पहले मुख्यमंत्री मेतई समुदाय के थे। अभी तक मणिपुर में केवल दो बार ही आदिवासी समुदाय के मुख्यमंत्री बने हैं। पिछले कुछ वर्षों में हिंदू, ईसाई और आदिवासियों के बीच विभाजन कराने के सुनियोजित प्रयास सत्तारूढ़ दल की शह पर एक संगठन द्वारा किए गए। उसके बाद से ही मणिपुर आग में जल रहा है। पिछले 3 सप्ताह में यहां पर अधिकृत रूप से 73 से ज्यादा नागरिक मारे जा चुके हैं। सैकड़ों झड़पें और आगजनी की घटनाएं हुई हैं। मणिपुर का ऐतिहासिक स्कूल भी जला दिया गया। इंफाल में शरणार्थी शिविर बना दिए गए हैं। भारत के अंदर किसी राज्य में इस तरह की स्थिति की कल्पना भी नहीं की जा सकती है, जो मणिपुर में देखने को मिल रही है। जातीय विभाजन का सबसे खराब नजारा मणिपुर राज्य में देखने को मिल रहा है। जहां 10 कुकी विधायक जिसमें सत्तारूढ़ दल भाजपा के 7 विधायक शामिल हैं। केंद्रीय गृहमंत्री को संयुक्त ज्ञापन भेजकर मणिपुर के अंदर जो जातीय सफाया और बंटवारा किया जा रहा है। उसको लेकर अलग राज्य की मांग कर दी है। सत्ता पाने के लिए राजनीतिक दल किस तरह से अशांति पैदा करते हैं। समुदायों को आपस में लड़ाते हैं। जाति धर्म के आधार पर बंटवारे कराकर सत्ता को हासिल करना चाहते हैं। मणिपुर इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। जब आग लगेगी,तो उसके संपर्क में जो भी आएगा वह झुलसेगा। मणिपुर में जो आग जल रही है। उसमें मेतई समुदाय और कुकी समुदाय के साथ-साथ अन्य लोगों को भी उतना ही नुकसान उठाना पड़ रहा है। जितना इन दोनों समुदायों को उठाना पड़ रहा है। मणिपुर की वर्तमान घटना से सभी लोगों को सबक लेने की जरूरत है। विशेष रुप से जो सत्ता के लिए अलगाववादी सोच को बढ़ावा देते हैं। । यदि अशांति फैलेगी, तो नुकसान सभी वर्गों का होगा। किसी एक वर्ग विशेष अकेले का नहीं होगा। सत्ता के सिंहासन में जो बैठा होगा उसे जरूर सत्ता का सुख मिलेगा।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुम्बई । शेयर बाजार मंगलवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) से आई है। घरेलू शेयर बाजारों में कारोबार के अंतिम समय में उतार-चढ़ाव के कारण तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स अंत में 18.11 अंक करीब 0.03 फीसदी की हल्की बढ़त के साथ ही 61,981.79 अंक पर बंद हुआ जबकि कारोबार के दौरान एक समय 281.51 अंक तक उछला था। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 33.60 अंक तकरीबन 0.18 फीसदी बढ़कर 18,348 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व, टाटा मोटर्स, एशियन पेंट्स, आईटीसी, इंडसइंड बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, विप्रो, इन्फोसिस और मारुति के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन और लार्सन एंड टुब्रो के शेयरों को नुकसान हुआ और ये नीचे आये। इससे पहले आज सुबह विदेशी कोषों की ताजा लिवाली और आईटी शेयरों में बढ़त जारी रहने की वजह से प्रमुख शेयर सूचकांकों में शुरुआती कारोबार में तेजी रही। यह लगातार तीसरा दिन है, जब बाजार ने सकारात्मक रुख दिखाया। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 187.61 अंक चढ़कर 62,151.29 पर पहुंच गया जबकि एनएसई निफ्टी 69.35 अंक बढ़कर 18,383.75 पर कारोबार कर रहा था। एशियाई बाजारों में जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरा है जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ के साथ ही ऊपर आया है। वहीं यूरोपीय बाजारों में गिरावट रही। गत दिवस अमेरिकी बाजार में बढ़त रही थी। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक सोमवार को लिवाल रहे। उन्होंने शुद्ध रूप से 922.89 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 0.03 फीसदी नीचे आकर 75.97 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

एचपीसीएल का मुनाफा 6,478 करोड़ रहा

नई दिल्ली । (एजेंसी)

सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) का एकल आधार पर मुनाफा बीते वित्त वर्ष 2022-23 की जनवरी-मार्च तिमाही में दोगुने से अधिक होकर 6,478 करोड़ रुपए रहा। एचपीसीएल ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले की समान तिमाही में उसका एकल आधार पर मुनाफा 2,501 करोड़ रुपए रहा था। रिफाइनिंग और ईंधन विपणन मार्जिन में सुधार से कंपनी का लाभ बढ़ा है। एचपीसीएल ने कहा कि चौथी तिमाही के नतीजे बेहतर रहने से समूचे वित्त वर्ष 2022-23 में उसका मुनाफा 1,807 करोड़ रुपए हो गया। इस तरह वित्त वर्ष की पहली छमाही में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी कीमतें स्थिर रखने से हुए नुकसान की भरपाई करने में मदद मिली। हालांकि एचपीसीएल ने पिछले साल अप्रैल से ही पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें नहीं बढ़ाई हैं लेकिन दूसरी छमाही में कच्चे तेल के अंतरराष्ट्रीय दाम गिरने से उसका रिफाइनिंग मार्जिन सुधरा है।

पेट्रोल पंपों पर ग्राहक थमा रहे 2,000 रुपए के नोट

नई दिल्ली । पेट्रोल पंपों पर ईंधन खरीदने के लिए ग्राहक धड़ल्ले से 2,000 रुपए के नोट का उपयोग कर रहे हैं। ऑल इंडिया पेट्रोल पंप डीलर्स एसोसिएशन ने कहा कि पेट्रोल पंपों पर 90 फीसदी दैनिक बिक्री में ग्राहकों द्वारा 2,000 रुपये के नोटों का उपयोग किया जा रहा है। सरकार द्वारा इस नोट को वापस लिए जाने की घोषणा किए जाने के बाद लोग पेट्रोल पंपों पर खरीदारी में इसे खपाने लगे हैं। ऐसे में डिजिटल लेनदेन के जरिये पेट्रोल-डीजल की दैनिक बिक्री महज 10 फीसदी रह गई है जो आमतौर पर 40 फीसदी होती थी। पेट्रोल पंप डीलरों ने कहा कि ग्राहक 100 रुपए अथवा 200 रुपएकी खरीदारी पर भी 2,000 रुपए के नोट थमा देते हैं। वह इस उम्मीद में ऐसा करते हैं कि पेट्रोल पंप पर उन्हें आसानी से खुले मिल जाएंगे। पेट्रोल पंप डीलरों के संगठन ने इस समस्या से निपटने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से आग्रह किया है कि बैंकों को कम मूल्य के पर्याप्त नोट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया जाए। संगठन के अध्यक्ष अजय बंसल ने कहा` कि हम आरबीआई से आग्रह करते हैं कि वे पेट्रोल पंपों को 2,000 रुपए के नोटों के बदले कम मूल्य के पर्याप्त नोट उपलब्ध कराने के लिए दिशानिर्देश जारी करें। इससे हमें अपने ग्राहकों को निर्बाध सेवा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। पेट्रोल पंपों और कुछ अन्य दैनिक आवश्यक सेवाओं को नोटबंदी के समय में भी 500 रुपए और 1,000 रुपए के पुराने नोट स्वीकार करने की छूट दी गई थी। हालांकि, पेट्रोल पंप जल्द ही पुराने नोटों को बदलने के आउटलेट बन गए थे जिससे सरकार ने समय से पहले उस सुविधा को वापस ले लिया था।

अदाणी समूह की पोर्ट्स इकाई ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद हुए नुकसानों की भरपाई की

नई दिल्ली । अदाणी समूह की बंदरगाह इकाई जनवरी के अंतिम सप्ताह में हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट से उत्पन्न सभी नुकसानों की भरपाई करने वाली अपनी 10 संस्थाओं में से पहली कंपनी बन गई है। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड के शेयर 7.7 फीसदी तक चढ़ गए थे। अदाणी पोर्ट्स ने अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग द्वारा स्टॉक मूल्य में हेरफेर के आरोपों के बाद से अपनी रैली को जारी रखा है। अदाणी समूह के शेयरों में सुप्रीम कोर्ट की एक्सपर्ट कमिटी से क्लीनचिट मिलने के बाद से रैली चल रही है। इस रिपोर्ट में हिंडनबर्ग द्वारा कथित तौर पर स्टॉक-कीमत में हेरफेर का कोई निर्णायक सबूत नहीं मिला। अभी भी जांच चल रही है और सेबी को अदालत ने अपनी जांच बंद करने के लिए 14 अगस्त तक का समय दिया है। अदाणी के पोर्ट्स के कारोबार में उनकी कुछ सबसे आकर्षक संपत्तियां हैं और बिकवाली के विश्लेषकों के बीच यह सबसे व्यापक रूप से ट्रैक किया जाने वाला स्टॉक है। स्टॉक पर कवरेज वाले सभी 20 विश्लेषकों ने खरीदारी का आह्वान किया है।

जी20 में स्टार्टअप पारिस्थितिकी के प्रोत्साहन के लिए प्रारूप जारी

मुंबई । स्टार्टअप20 समूह में भारत के प्रभारी चिंतन वैष्णव ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि जी20 देशों में स्टार्टअप नीतिगत वक्तव्य के प्रमुख सुझावों एवं नीति निर्देशकों का पहला प्रारूप सार्वजनिक विमर्श के लिए जारी कर दिया गया है। जी20 के तत्वावधान में गठित एक कार्य समूह ने वैश्विक स्टार्टअप समुदाय में नवोन्मेष और वृद्धि को गति देने के लिए समावेशी एवं सहयोगपूर्ण निर्णय-निर्माण के महत्व पर बल दिया है। स्टार्टअप20 समूह में भारत के प्रभारी चिंतन वैष्णव ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि जी20 देशों में स्टार्टअप नीतिगत वक्तव्य के प्रमुख सुझावों एवं नीति निर्देशकों का पहला प्रारूप सार्वजनिक विमर्श के लिए जारी कर दिया गया है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर स्टार्टअप परिपेश पर सीधा असर डालने वाली नीतियों को तय करने में व्यापक भागीदारी की अहमियत पर भी बल दिया। इस प्रारूप पर 27 मई तक टिप्पणियां भेजी जा सकती हैं।

बिना आइडी और फार्म भरे बदल सकते हैं 2000 रुपए के नोट

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक मंगलवार 23 मई से बैंकों में 2 हजार के नोट बदलने का सिलसिला शुरू कर दिया है और अनुमान है कि पहले दिन ही भारी भीड़ उमड़ सकती है। दरअसल, आरबीआई ने कहा है कि 2 हजार के नोट को 30 सितंबर के बाद चलन से बाहर कर दिया जाएगा। जिन ग्राहकों के पास 2000 रुपए के नोट हैं, उन्हें यह नोट बैंक में जमा करने या बदलवाने के लिए समय दिया जा रहा है। हालांकि, इस घोषणा के बाद न तो दुकानदार न ही ग्राहक किसी से 2000 का नोट लेना पसंद करते हैं, क्योंकि उन्हें इसे बदलवाने या जमा कराने बैंक जाना पड़ेगा। ग्राहक बैंक में जाकर 2000 का नोट बदल सकते हैं। इसके लिए न तो किसी आईडी की जरूरत होगी और न ही कोई फॉर्म भरना होगा। ग्राहक बस बैंक में जाएं और काउंटर पर 2000 रुपए का नोट जमाकर उनसे 500 या अन्य करेंसी का नोट ले सकते हैं। आरबीआई ने साफ कहा है कि नोट बदलने के लिए किसी खाते की भी जरूरत नहीं है। ग्राहक किसी भी बैंक में जाकर अपनी करेंसी बदल सकते हैं। नोट बदलने के लिए किसी भी तरह का कोई चार्ज भी नहीं लिया जा रहा है। ग्राहक एक बार में सिर्फ 20 हजार तक ही बदल सकते हैं।

इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बिक्री में भारत पिछड़ा, सौ में से एक ही बिकी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारत में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की खरीदी बहुत कम है, आंकड़ों के अनुसार सौ में से एक ही हले क्ट्रिक कार बिकी है। इस तरह से इले क्ट्रिक कारों की तरफ लोगों का रुझान तो बढ़ रहा है, लेकिन वो रुझान नतीजों में उतनी तेजी नहीं पकड़ पा रहा है जिसकी उम्मीद थी। एस एंड पी ग्लोबल रेटिंग्स के मुताबिक, साल 2022 में भारत में लाइट मोटर व्हीकल खरीदने वालों में से केवल 1.1 फीसदी लोगों ने ईवी खरीदा, जबकि पूरे एशिया का औसत 17.3 फीसदी है। वहीं पूरी दुनिया की बात करें तो औसत 13.3 फीसदी है। ऐसे में अगर भारत को ईवी से एक सस्टेनेबल फ्यूचर क्रिएट करना है तो स्पीड बढ़ानी होगी। पर आंकड़ों में इतनी कमी का एक कारण ये भी है कि इस एस एंड पी ग्लोबल रेटिंग्स के आंकड़ों में टू और थ्री-व्हीलर्स को शामिल नहीं किया गया है। आपको बता दें कि भारत मुख्यरूप से दो-पहिया वाहनों या पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर चलने वाला देश है। टू व्हीलर और थ्री व्हीलर्स भारत के ईवी मार्केट का 90 फीसदी हिस्सा बनाते हैं। हालांकि, इन्हें मिलाने के बाद भी भारत में ईवी का ओवरऑल पेनिट्रेशन भारत में 4.5 फीसदी करीब ही है। हालों कि भारत सरकार का लक्ष्य है भारत में ईवी पेनिट्रेशन को 2030 तक 30 प्रतिशत पर लाना है। कार कंपनियों की बात करें तो टाटा के पास ईवी का सबसे बड़ा पोर्टफोलियो है। कंपनी नेक्सॉन, टिगोर, टियागो जैसे पसंद किए जाने वाले अपने मॉडल्स के ईवी वेरिएंट लॉन्च कर चुकी है। साल 2022 में टाटा की टोटल सेल का 6 फीसदी ईवी से आया। कंपनी का टारगेट 2026 तक अपने सेल्स के ईवी शेयर को 20 फीसदी तक बढ़ाने का है। भारत में ईवी कार खरीदने में ज्यादा लोगों का इंटरेस्ट नहीं होने की बड़ी वजह ये हो सकती है कि भारत में अभी ईवी का इंफ्रास्ट्रक्चर पूरी तरह डेवलप नहीं हुआ है। वहीं, फेम2 स्कीम के तहत केंद्र सरकार ने मार्च, 2024 तक देशभर में 7432 चार्जिंग स्टेशंस लगाने के लिए 800 करोड़ सैंक्शन किए हैं। संभावना है कि चार्जिंग स्टेशंस लगने से ईवी को लेकर लोगों का कन्फ्यूज़न दूर होगा और भारत में ईवी एडॉप्शन आने वाले समय में बढ़ेगा। एशिया के दूसरे देशों की बात करें तो इस मामले में चीन 27.1 फीसदी के साथ सबसे आगे चल रहा है। वहीं, साउथ कोरिया में ईवी पेनिट्रेशन 10.3 फीसदी है।

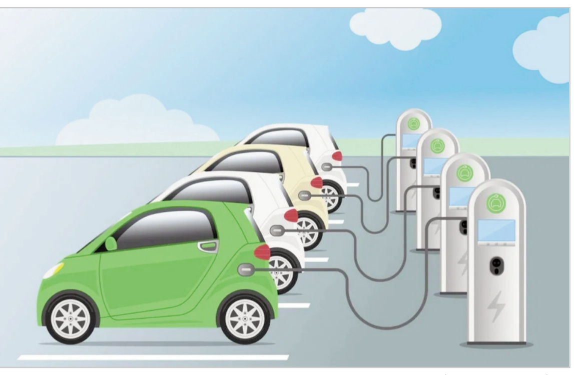

कफ सिरप के निर्यात से पहले गुणवत्ता परीक्षण जरूरी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

कफ सिरप के निर्यात से पहले गुणवत्ता परीक्षण अे निवार्य कर दिया गया है। नई व्यवस्था एक जून से लागू हो जाएगी। सरकार ने यह कदम भारत में बने कफ सिरप की गुणवत्ता को लेकर दुनिया भर में उठे सवालों के बाद उठाया है। पिछले साल गाम्बिया और उजबेकिस्तान में कफ सिरप पीने से हुई क्रमशः 66 एवं 18 बच्चों की मौत के लिए भारत-निर्मित कफ सिरप को कथित तौर पर दोषी बताया गया था। कफ सिरप निर्यातकों को एक जून से विदेश भेजने के पहले अपने उत्पादों का निर्धारित सरकारी प्रयोगशालाओं में परीक्षण कराना जरूरी होगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि निर्यात किए जाने वाले उत्पाद के नमूने का प्रयोगशाला में परीक्षण होने के बाद ही कफ सिरप का निर्यात करने की अनुमति मिलेगी। नई व्यवस्था एक जून से लागू हो जाएगी। सरकार ने यह कदम भारत में बने कफ सिरप की गुणवत्ता को लेकर दुनिया भर में उठे सवालों के बाद उठाया है। पिछले साल गाम्बिया और उजबेकिस्तान में कफ सिरप पीने से हुई क्रमशः 66 एवं 18 बच्चों की मौत के लिए भारत-निर्मित कफ सिरप को कथित तौर पर दोषी बताया गया था। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत से 17 अरब डॉलर के कफ सिरप निर्यात किए गए थे और यह राशि 2022-23 में बढ़कर 17.6 अरब डॉलर हो गई। एक अधिकारी ने कहा कि भारत से निर्यात किए जाने वाले चिकित्सा उत्पादों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने निर्यात के पहले कफ सिरप की गुणवत्ता परखने का फैसला किया है। यह परीक्षण भारतीय औषधि संहिता आयोग, क्षेत्रीय औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं,और एनएबीएल से मान्यता-प्राप्त औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं में किया जा सकेगा।

अपर सर्किट से अदाणी के अधिकांश शेयर चमके

मुंबई । घरेलू शेयर बाजार में सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार 23 मई को शुरुआती कारोबार में अदाणी ग्रुप के शेयरों की चमक और बढ़ गई। ग्रुप के अधिकांश शेयर अपर सर्किट के स्तर तक पहुंच गए। सुप्रीम कोर्ट के पैनल से अदाणी ग्रुप को क्लीन चिट मिलने के बाद ग्रुप के शेयरों के बारे में निवेशकों की धारणा में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों ने खुलने के तुरंत बाद 2,674.35 के 15 फीसदी की उछाल के साथ अपर सर्किट को हिट किया। अदाणी विल्मर के शेयरों ने भी कारोबार की शुरुआत में 488.80 के अपने 10 फीसदी के अपर सर्किट लेवल को हिट किया। अदाणी पावर के शेयर 260.40 के 5 फीसदी अपर सर्किट पर खुले, अदाणी ट्रांसमिशन 866.60 के 5 फीसदी अपर सर्किट पर खुले, अदाणी ग्रीन एनर्जी 989.50 के 5 फीसदी अपर सर्किट पर खुले और अदाणी टोटल गैस 757.40 के 5 फीसदी अपर सर्किट पर खुला। शुरुआती कारोबार में अदानी पोर्ट्स के शेयर करीब 8 फीसदी उछले। इनमें से ज्यादातर शेयरों ने पिछले कारोबारी सत्र में भी जोरदार बढ़त दर्ज की थी। अदाणी ग्रुप के 10 में से 6 शेयरों ने 22 मई को अपने अपर सर्किट को छुआ, डॉलर के संदर्भ में ग्रुप की बाजार हैसियत पिछले कारोबारी सत्र से 9.7 अरब डॉलर बढ़कर 122.9 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल 30 अगस्त के बाद से सबसे अधिक है।

फेसबुक पर यूरोपीय यूनियन ने 1.3 अरब डॉलर का जुर्माना लगाया

- अन्य देशों के फेसबुक-इंस्टाग्राम यूजर्स के डाटा को अमेरिका भेजने पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

दुनिया की दिग्गज सोशल मीडिया साइट मेटा (फेसबुक) पर यूरोपीय यूनियन ने 1.3 अरब डॉलर का भारी-भरकम जुर्माना लगाया है। जुर्माने की यह कार्रवाई गोपनीयता से जुड़े मामले को लेकर की गई है। भारतीय रुपए में यह रकम करीब 10,765 करोड़ रुपए होती है। यह जुर्माना अन्य देशों के फेसबुक-इंस्टाग्राम यूजर्स के डाटा को अमेरिका में भेजने के लिए लगाया गया है। नियामक ने अमेरिका में यूजर्स के डेटा की शिपिंग रोकने के लिए मेटा को एक डेडलाइन दी थी, लेकिन कंपनी यूजर्स की पर्सनल इंफॉर्मेशन को सुरक्षा देने में नाकाम रही। आयरिश डेटा प्रोटेक्शन कमीशन (डीपीसी) ने कहा कि यूरोपीय डेटा प्रोटेक्शन बोर्ड ने उन्हें मेटा से 1.2 बिलियन यूरो का प्रशासनिक जुर्माना वसूलने का आदेश दिया। आइरिश डेटा प्रोटेक्शन कमीशन ने फैसले के अनुसार मेटा की ओर से यूएस में जारी डेटा ट्रांसफर उन लोगों के मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता का उल्लंघन है। डीपीसी 2020 से मेटा आयरलैंड के यूरोपीय संघ से संयुक्त राज्य अमेरिका में व्यक्तिगत डेटा के ट्रांसफर की जांच कर रहा था। इस फैसले में मेटा को भविष्य में यूजर्स के पर्सनल डेटा को यूएस भेजने पर रोक लगाई गई है, साथ ही स्टोरेज जैसी गैर-कानूनी प्रक्रिया को रोकने के लिए 6 महीने का समय दिया है। पहले से इस बात की उम्मीद जताई जा रही थी कि यूरोपियन यूनियन अमेरिकी कंपनी मेटा के डेटा ट्रांसफर पर रोक लगा सकती है। वहीं जुर्माने की इस कार्रवाई पर मेटा ने कहा कि यह निराशाजनक है कि एकतरफा फैसला दिया गया। कंपनी न इसे त्रुटिपूर्ण, अनुचित और अन्य कंपनियों के लिए एक खतरनाक मिसाल बताया है। बता दें कि इससे पहले इससे पहले ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन पर यूरोपीय संघ ने करीब 75 करोड़ यूरो का जुर्माना लगाया था। ये कार्रवाई प्राइवेसी पेनल्टी के तौर पर की गई थी। यूरोपीय में अदालत का यह फैसला लंबे समय से चली आ रही प्रक्रिया के बाद आया है। इसके बाद फेसबुक और हजारों अन्य कंपनियों को कानून पचड़े में फंसते हुए देखा जा रहा है।

गूगल से बिंग पर स्विच करने की योजना नहीं बना रहा सैमसंग

सोल ।(एजेंसी)

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कथित तौर पर जल्द ही अपने स्मार्टफोन के डिफॉल्ट सर्च इंजन को गूगल से माइक्रोसॉफ्ट के बिंग पर स्विच नहीं करेगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सैमसंग ने एक आंतरिक रिव्यू को सस्पेंड कर दिया है, जो गूगल को अपने वेब-ब्राउजिंग ऐप पर बिंग के साथ रिप्लेस पर विचार कर रहा है, जो कंपनी के स्मार्टफोन पर पहले से इंस्टॉल आता है। अप्रैल के महीने में खबरें सामने आई थीं कि सैमसंग गैलेक्सी मोबाइल पर अपने डिफॉल्ट सर्च इंजन के रूप में गूगल से बिंग पर स्विच करने की प्लानिंग कर रहा था। पहले, सैमसंग के स्विच करने का फैसला माइक्रोसॉफ्ट के बिंग एआई से प्रभावित था। उस समय एआई डोमिनेंस के लिए कंपटीशन उग्र था और टेक दिग्गज पीछे नहीं हटने के लिए दृढ़ थे। गूगल के बार्ड एआई लांच के बावजूद यह रिफाइनमेंट की कमी के कारण किसी भी तात्कालिक वादे को प्रदर्शित करने में विफल रहा। हालांकि, यह साफ नहीं है कि कंपनी ने अपना फैसला क्यों बदला, लेकिन गूगल आई/ओ-2023 इवेंट के दौरान गूगल के अपने प्रभावशाली एआई गेम के हालिया प्रदर्शन के लिए एक संभावना को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। इस बीच एंड्रॉइड डिवाइस निर्माताओं के सहयोग से गूगल बैकग्राउंड में रैंडम ऐप किलिंग को रोकने के लिए काम कर रहा है और इसमें भाग लेने वाली सैमसंग पहली कंपनी है, जो इस साल के अंत में एंड्रॉइड 14 पर आधारित वन यूआई 6.0 लॉन्च होने पर गैलेक्सी फोन मालिकों को लाभान्वित करेगा। सहयोग का उद्देश्य एंड्रॉइड में लंबे समय से चली आ रही समस्याओं में से एक फोरग्राउंड सर्विस और बैकग्राउंड के कार्य पर प्रतिबंध का हल निकालना है।

जोमेटो को 72 फीसदी लोगों ने थमाए 2,000 के नोट

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

एक बार फिर से भारत में नोटबंदी होने जा रही है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया(आरबीआई) के निर्देशों के अनुसार मंगलवार से देश भर के बैंकों में 2,000 रुपए के नोट बदलने की प्रक्रिया शुरु हो गई है। इसके अलावा भी बाजार में 2,000 के नोट बदलने का बोलबाला शुरु हो गया है। जिन लोगों के पास भी 2,000 के नोट हैं वो तो बस कैसे न कैसे इसे बदलवाने पर लगे हैं। हाल ही में नामी कंपनी जोमैटो ने ट्वीट करके बताया है कि शुक्रवार के बाद से जितने भी फूड ऑर्डर हुए हैं उनमें से सभी कैश ऑन डिलीवरी थी। सभी ग्राहकों ने 2,000 रुपए के नोट दिए हैं। वहीं इसका आंकड़ा टोटल ऑर्डर 72 फीसदी तक चला गया है।

बीते दिन सोमवार को जोमेटो ने ट्वीट करके बताया कि शुक्रवार 19 मई के बाद से कैश ऑन डिलीवरी के रुप में जितने भी खाने के ऑर्डर मिले हैं। उनमें से 72 फीसदी का भुगतान 2,000 रुपए को नोटों से ही किया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को 2,000 रुपए के नोट का चलन से वापस लेने की घोषणा की है। हालांकि इस मूल्य के नोटों को आप बैंक में 23 मई से 30 सितंबर तक जमा करवाकर या बदल सकते हैं। आरबीआई ने शाम को जारी एक बयान में बताया कि अभी चलन में मौजूद 2,000 रुपये के नोट 30 सितंबर तक वैध मुद्रा में बने रहेंगे।

इसके साथ ही आरबीआई ने बैंकों से 2,000 रुपये का नोट देने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के लिए भी कहा है। उसने बैंकों से 30 सितंबर तक ये नोट जमा करने और बदलने की सुविधा देने के लिए कहा है।

आरबीआई के 2,000 का नोट वापसी के बाद सोने खरीदने की बढ़ी पूछताछ

नई दिल्ली । (एजेंसी)

2,000 रुपए का नोट वापस लेने के भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) फैसले के बाद ज्वेलर्स से सोना और चांदी की खरीद संबंधी पूछताछ बढ़ गई है। दुनिया में चीन के बाद भारत में सोने की खपत सबसे ज्यादा होती है। सर्राफा कारोबारियों के निकाय जीजेसी ने कहा कि हालांकि, 2016 में नोटबंदी के दौरान देखी गई स्थिति के विपरीत अब सोने की घबराहटपूर्ण खरीदारी नहीं है। वास्तव में पिछले दो दिन में अपने ग्राहक को जानो (केवायसी)मानदंडों के कठोर नियमों के कारण 2,000 रुपए के नोटों के बदले सोने की खरीद वास्तव में कम रही है। हालांकि सूत्रों ने कहा कि कुछ जौहरियों ने सोना खरीद पर 5-10% प्रीमियम लेना शुरू कर दिया है जिससे पीली धातु का भाव 66,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है। देश में इस समय सोना लगभग 60,200 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है। सख्त केवायसी नियमों के चलते कम हुई सोने की खरीदारी ऑल इं डिया इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल के चेयरमैन संयम मेहरा ने बताया कि 2,000 रुपए के नोटों से सोना या चांदी खरीदने को लेकर काफी पूछताछ की जा रही है, इसलिए दुकानों पर ज्यादा ग्राहक आए। हालांकि, सख्त केवाईसी नियमों के चलते वास्तविक खरीदारी कम हुई है।बता दें कि 19 मई को भारतीय रिज़र्व बैंक ने 2,000 रुपए के नोटों को प्रचलन से वापस लेने की घोषणा की लेकिन 30 सितंबर तक लोगों को ऐसे नोटों को खातों में जमा करने या उन्हें बैंकों में बदलने का समय दिया है। इसने बैंकों से तत्काल प्रभाव से 2,000 रुपए के नोट जारी करने पर रोक लगाने को कहा है। मेहरा ने आगे कहा कि गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स और भारतीय मानक ब्यूरो के हॉलमार्क के नियम ने आभूषण निर्माताओं को संगठित होने और औपचारिक व्यवसाय करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

अल्काराज एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे

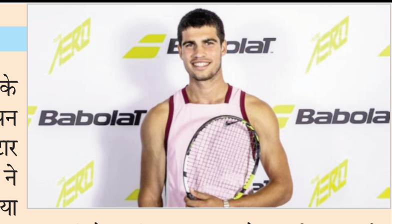

लंदन । स्पेन के कार्लोस अल्काराज पेशेवर टेनिस खिलाड़ी संघ (एटीपी) रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंच गये हैं। एटीपी की ताजा रैंकिंग के अनुसार यह स्पेनिश खिलाड़ी 6815 अंक लेकर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। अल्काराज को नंबर एक पर पहुंचने इटालियन ओपन में केवल एक मैच खेलने की जरूरत थी। उन्होंने यहां तीसरे दौर में हंगरी के फेबियन मरोजान ने हराया था। अपने ही देश के स्टार खिलाड़ी राफेल नडाल के बाहर होने से अब अल्काराज फ्रेंच ओपन के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी होंगे। वहीं रुस के डेनियल मेदवेदेव ने इटालियन ओपन के फाइनल में डेनमार्क के होल्गर रूने को हराकर विश्व रैंकिंग में नोवाक जोकोविच की जगह पर दूसरा स्थान हासिल किया है। जोकोविच तीसरे स्थान पर फिसल गए हैं। दूसरी ओर फाइनल में मेदवेदेव से हारने वाले रूने ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ छठी रैंकिग हासिल की है। वहीं पुरुष युगल रैंकिंग में भारत के रोहन बोपन्ना की भी शीर्ष 10 में वापसी हुई है। बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन को इटालियन ओपन के दूसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा था।

आईपीएल के एलिमिनेटर मुकाबले में आज सुपरजाइंट्स और मुम्बई होगी आमने-सामने

चेन्नई ।(एजेंसी)

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एलिमिनेटर मुकाबले में बुधवार को मुंबई इंडियन्स का मुकाबला लखनऊ सुपरजाइंट्स से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत की प्रबल दावेदार नजर आती हैं पर मुम्बई ने जिस अंदाज में प्लेऑफ में जगह बनायी है। इससे उसका पलड़ा भारी नजर आता है। मुम्बई के बल्लेबाज शानदार फार्म में हैं हालांकि उसकी गेंदबाजी कमजोर है। गेंदबाजी में मुंबई को अनुभवी पीयूष चावला से काफी उम्मीदें होंगी। पीयूष ने अभी तक टीम की ओर से सबसे ज्यादा 20 विकेट लिए हैं। इसके अलावा जेसन बेहरेनडोर्फ ने भी तेज गेंदबाजी में प्रभावित किया है।

मुंबई की टीम पिछले इंडियन प्रीमियर लीग सत्र में अंतिम स्थान पर रही थी पर इस बार टीम ने शुरुआती झटकों से उबरकर शानदार वापसी करते हुए प्ले ऑफ में जगह बनाई। गुजरात टाइटंस की अंतिम लीग मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) पर जीत के साथ ही मुंबई को प्ले ऑफ में जगह मिली थी। अब कप्तान रोहित शर्मा और उनकी टीम की नजरें अपने छठे खिताब पर रहेंगी। वहीं दूसरी ओर सुपरजाइंट्स को पिछले सत्र में एलिमिनेटर में ही हार का सामना करना पड़ा था और ऐसे में इस बार टीम आगे बढ़ना चाहेगी। टीम के कार्यवाहक कप्तान कृणाल पंड्या ने अब तक अच्छी कप्तानी करते हुए टीम को प्लेऑफ तक पहुंचाया है और अब उनकी नजर एक और जीत पर रहेगी हालांकि उसके मुंबई के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पर अंकुश लगाना होगा। ग्रीन ने अंतिम लीग मैच में सरराइजर्स हैदाबाद के खिलाफ शानदार शतक लगाया था। सुपरजाइंट्स के खिलाफ इस मैच में मुम्बई की बल्लेबाजी ग्रीन के अलावा सूर्यकुमार यादव, सलामी बल्लेबाज इशान किशन और कप्तान रोहित पर आधारित रहेगी। जिस प्रकार से पिछले कुछ मैचों में मुंबई के बल्लेबाजों ने खेला है उसको देखते हुए सुपरजाइंट्स के गेंदबाजों के लिए उन्हें रोकना आसान नहीं रहेगा। सुपरजाइंट्स के पास लेग स्पिनर रवि बिश्नोई हैं जिनसे मुम्बई के बल्लेबाजों को सतर्क रहना होगा। उन्होंने पिछले 14 मैच में 16 विकेट लिए हैं और वह सबसे सफल गेंदबाजी हैं। बिश्नोई के अलावा आवेश खान, कृणाल और अनुभवी अमित मिश्रा को भी इस मैच में अहम भूमिका निभानी होगी।

जसप्रीत बुमराह और जोफ्रा आर्चर के नहीं होने से मुम्बई का तेज गेंदबाजी आक्रमण भी कमजोर है जिसका लाभ सुपरजाइंट्स को मिल सकता है। सुपरजाइंट्स के बल्लेबाजों ने अब तक इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। मार्कस स्टोइनिस काइल मायर्स और निकोलस पूरन पर टीम की ओर से रन बनाने की जिम्मेदारी रहेगी। चेपक की पिच धीमी रहती है जिससे ये बल्लेबाज बड़ स्कोर बना सकते हैं।

अंडर-20 फुटबॉल विश्व कप : इंग्लैंड और दक्षिण कोरिया जीते, ट्यूनीशिया व फ्रांस हारे

ब्यूनस आयर्स । (एजेंसी)

इंग्लैंड ने अंडर-20 फुटबॉल विश्व कप में ट्यूनीशिया को 1-0 से हराया। वहीं एक अन्य मुकाबले में दक्षिण कोरिया ने फांस को 2-1 से हराकर सनसनी फैला दी। इंग्लैंड ने ग्रुप ई मुकाबले में डेन स्कार्लेट के पहले हाफ में हेडर पर किये गोल से मुकाबला जीता। इस मैच में ट्यूनीशिया को भी अवसर मिले पर वह उन्हें गोल में बदल नहीं पायी। वहीं दक्षिण कोरिया ने फ्रांस के खिलाफ ग्रुप एफ मैच में 22वें मिनट में ली सेयुंग वोन के गोल से बढ़त हासिल की। इसके बाद दूसरे हाफ में कोरियाई टीम ने ली यंग जुन के हेडर पर किये गोल से अपनी बढ़त 2-0 की कर दी। इसके बाद फ्रांस ने एलेन विरगीनियस के पेनल्टी पर किये गोल से स्कोर 2-1 कर दिया। फ्रांसीसी टीम ने इसके बाद गोल के कई प्रयास किये पर उसे सफलता नहीं मिली। ग्रुप ई के ही एक अन्य मैच में उरुग्वे ने इराक को 4-0 से हराकर शीर्ष स्थान बनाया है। वहीं ग्रुप ई के अगले दौर के मुकाबलों में गुरुवार को उरुग्वे का मुकाबला इंग्लैंड से होगी जबकि ट्यूनीशिया का इराक से होगाहै। ग्रुप एफ में गाम्बिया ने होंडुरास को 2-1 से हराया। इस प्रकार ग्रुप एफ में कोरिया शीर्ष पर पहुंच गयी है।

भारत के समीर ने स्लोवेनिया ओपन में स्वर्ण जीता

नई दिल्ली। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी समीर वर्मा ने स्लोवेनिया ओपन में स्वर्ण पदक जीता है। समीर ने फाइनल में ताइवान के सु ली यांग को हराकर पहला स्थान हासिल किया। स्लोवेनिया के मारिबोर में खेले गये इस टूर्नामेंट के पुरूष एकल फाइनल में समीर ने सु ली को 21-18, 21-14 से पराजित किया। वहीं भारत के ही रोहन कपूर और सिक्की रेड्डी की मिश्रित युगल जोड़ी को फाइनल में हार से रजत पदक ही मिला है। रोहन और सिक्की की जोड़ी को फाइनल में डेमामार्क के जेस्पर टॉफ्ट और क्लारा ग्रेवसेन की जोड़ी से 12-21, 13-21 से हराया। वहीं इससे पहले सेमीफाइनल में रोहन और सिक्की ने डेनमार्क के ही मैड्स वेस्टरगार्ड और क्रिस्टीन बुस्च की जोड़ी को 21-15, 21-19 हराया था।

नीरज विश्व के नंबर एक भाला फेंक खिलाड़ी बने

मुंबई । (एजेंसी)

भारत के नीरज चोपड़ा पुरुषों की भालाफेंक में विश्व के शीर्ष खिलाड़ी बन गये हैं। विश्व एथलेटिक्स द्वारा जारी ताजा रैंकिंग में नीरज नंबर एक पर आ गये हैं। ओलंपिक स्वर्ण विजेता नीरज को 1455 अंक मिले हैं और वह ग्रेना के एंडरसन पीटर्स से 22 अंक आगे हो गये हैं। चोपड़ा 30 अगस्त, 2022 से दूसरे स्थान पर थे पर इस सप्ताह उन्होंने विश्व चैंपियन पीटर्स को पछाड़ दिया। वहीं चेक गणराज्य के जैकब वडलेज्च 1410 अंकों के साथ ही तीसरे, जर्मनी के जूलियन वेबर 1385 अंकों के साथ चौथे और पाकिस्तान के अरशद नदीम 1306 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर हैं। नंबर 1 रैंकिंग से नीरज का मनोबल आने वाले मुकाबलों के लिए बढ़ेगा। उन्हें अगली बार 4 जून को नीदरलैंड में होने वाले एफबीके खेलों 2023 में भाग लेना है। इसके अलावा वह 13 जून को फिनलैंड के तुर्कू में पावो नूरमी गेम्स 2023 में भी खेलेंगे। इस भारतीय खिलाड़ी को सितंबर से ही शानदार प्रदर्शन के आधार पर रैंकिंग में शीर्ष स्थान मिला है। नीरज ने ज्यूरिख में डायमंड लीग 2022 फाइनल जीता था। वह प्रतिष्ठित डायमंड लीग ट्रॉफी जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बने हैं।

वह ज्यूरिख में जीत के बाद से ही चोटिल होने के कारण बाहर हो गए थे। चोट के बाद वापसी करते हुए उन्होंने इस साल 5 मई को सीजन-ओपनिंग दोहा डायमंड लीग में वापसी की और 88.67 मीटर की थ्रो के साथ पहले स्थान पर रहे। दोहा बैठक में एंडरसन पीटर्स 85.88 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा ने शीर्ष पर पहुंचने के साथ ह अगले साल होने वाले पेरिस ओलंपिक से पहले शानदार फॉर्म में वापसी की है। विश्व के 15वें नंबर के रोहित यादव और दुनिया के 17वें नंबर के डीपी मनु शीर्ष 20 में शामिल अन्य भारतीय भालाफेंक खिलाड़ी हैं।

संक्षिप्त समाचार

विराट ने प्रशंसकों से अगले सत्र में वापसी का वादा किया

नई दिल्ली । आईपीएल के इस 16 वें सत्र में एक बार फिर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) प्लेऑफ में जगह बनाने में असफल रही। आरसीबी के बाहर होने से अनुभवी बल्लेबाज ओर पूर्व कप्तान विराट कोहली बेहद निराश हैं। विराट ने अंतिम लीग मैच में शानदार शतक लगाया था पर इसके बाद भी वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। इससे उनकी टीम का खिताब का इंतजार फिर अगले साल तक के लिए टल गया। विराट ने इस सत्र में लगातार 2 शतक लगाते हुए शानदार प्रदर्शन किया था पर उनकी मेहनत बेकार हो गयी। जिसके बाद उनका दर्द एक ट्वीट के जरिए निकला। इस क्रिकेटर ने अगले सत्र में वापसी की उम्मीद की है। कोहली ने कहा कि टीम आईपीएल 2023 से निराशाजनक रूप से बाहर होने के कारण अब अगले सत्र में मजबूत वापसी करने के प्रयास करेगी। कोहली ने तस्वीरों के साथ ट्वीट किया। उन्होंने लिखा, एक सत्र जिसमें कुछ क्षण थे पर दुर्भाग्य से हम विफल रहे। निराश, लेकिन हमें अपना सिर ऊंचा रखना चाहिए। मैं टीम के समर्थकों के प्रति आभारी हूं। इसके साथ ही मैं अपनी टीम के कोच, मैनेजमेंट और साथी खिलाड़ियों को भी धन्यवाद कहना चाहता हूं। हमारा लक्ष्य अगली बार और अधिक मजबूती से वापसी करने का रहेगा। वहीं आरसीबी के कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने भी प्रशंसकों को समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और अन्य टीमों को प्लेऑफ के लिए शुभकामनाएं दीं। डु प्लेसिस ने ट्विटर पर लिखा, आईपीएलटी20 के दो महीने कितने शानदार रहे। दुर्भाग्य से टूर्नामेंट हमारे लिए समाप्त हो गया। समर्थन और इसे इतना खास बनाने के लिए आप सभी का धन्यवाद।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के लिए हार्दिक को शामिल करें : प्रसाद

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने कहा है कि अगले माह इंग्लैंड में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भारतीय टीम को हार्दिक पांड्या को शामिल करना चाहिये। प्रसाद के अनुसार हार्दिक ने अबतक अच्छा प्रदर्शन किया है और वह इंग्लैंड में गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी में भी बेहतर योगदान दे सकते हैं। वहीं पांड्या टेस्ट मैच नहीं खेलना चाहते हैं इसलिए उनसे इस बारे में पूछा जाना चाहिये। पांड्या ने कुछ समय पहले कहा था कि वह अपने जीवन में नैतिक रूप से बहुत मजबूत हैं। साथ ही कहा था कि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए 10 फीसदी भी काम नहीं किया है। ऐसे में वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेलने के लिए अपने को योग्य नहीं मानते हैं। साथ ही कहा था कि अगर मैं टेस्ट क्रिकेट खेलना ही चाहूंगा तो कड़ी मेहनत से मैं अपनी जगह बनाउंगा। इसलिए मैं विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और निकट भविष्य होने वाले मैचों के लिए तब तक उपलब्ध नहीं रहूंगा, जब तक मुझे ये नहीं लगता कि मैं इस जगह के लिए योग्य हूं। भारतीय टीम के पासा ऑलराउंडर के रूप में शार्दुल ठाकुर भी हैं पर प्रसाद का मानना है कि पांड्या शार्दुल से बेहतर विकल्प हैं। शार्दुल ने टेस्ट में भारत के लिए कुछ मैचों में विजयी पारियां खेली हैं और उनमें हर वो प्रतिभा है जो उन्हें (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए टीम का हिस्सा बनाती है।

हेजलवुड डब्ल्यूटीसी और एशेज सीरीज के लिए फिट हुए : सीए

मेलबर्न ।(एजेंसी)

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड भारत के खिलाफ अगले माह होने वाली विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल और के साथ ही एशेज सीरीज में भी खेलेंगे। सीए के अनुसार हेजलवुड अब अपनी चोट से पूरी तरह से उबर गये हैं।

डब्ल्यूटीसी का फाइनल अगले माह 7 से 11 जून तक लंदन के ओवल में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिशई टीम इसके बाद 16 जून से 31 जुलाई तक पांच मैचों की एशेज सीरीज खेलेगी। हेजलवुड आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की ओर से खेलते हुए चोटिल होने के बाद स्वदेश लौट गये थे। सीए ने हालांकि कहा कि वह इंग्लैंड दौर के लिए फिट है। सीए प्रवक्ता ने कहा, '' हेजलवुड ने अपने आईपीएल मैच के पूरा होने के बाद हल्के दर्द की बात कही थी। वह पिछले सप्ताह स्वदेश लौट आये थे। उन्होंने कहा, '' इलाज और आराम के बाद हेजलवुड ने पिछले सप्ताह गेंदबाजी अभ्यास की शुरुआत की है। डब्ल्यूटीसी और एशेज को देखते हुए हम धीरे-धीरे उनके गेंदबाजी कार्यभार को बढ़ाते रहेंगे। साथ ही कहा कि हेजलवुड को डब्ल्यूटीसी और एशेज श्रृंखला के लिए फिट और उपलब्ध माना जाये। इस तेज गेंदबाज की जांच में पता चला कि उनकी चोट ज्यादा गंभीर नहीं है। उन्होंने नौ मई को आईपीएल में सत्र का अपना पहला मैच खेला था। उन्होंने इस दौरान तीन मैचों में नौ ओवर गेंदबाजी की थी। हजलवुड भारत के खिलाफ टेस्ट में खासे सफल रहे है। उनके नाम 59 टेस्ट में 222 विकेट हैं ऐसे में उनकी वापसी से हैं, डब्ल्यूटीसी में भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ जाएंगी।

घोषाल और जोशना स्क्वाश विश्व कप में भारत की अगुवाई करेंगे : एसएफआरआई

चेन्नई । भारतीय स्क्वाश रैकेट महासंघ (एसएफआरआई) के अनुसार सौरव घोषाल और जोशना चिनप्पा 13 से 17 जून तक यहां होने वाले स्क्वाश विश्व कप में भारतीय चुनौती पेश करेंगे। इस टूर्नामेंट का आयोजन एक्सप्रेस एवेन्यू मॉल और 'इंडियन स्क्वाश एंड ट्रायथलॉन अकादमी' में होगा। इस टूर्नामेंट में नौ देश भाग लेंगे। इसमें मेजबान भारत के अलावा हांगकांग, चीन, जापान, मलेशिया, मिस्र, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और कोलंबिया भी शामिल है। भारत में विश्व कप का पिछला सत्र भी साल 2011 में यही आयोजित किया गया था। एसएफआरआई के मानद आजीवन अध्यक्ष एन रामचंद्रन ने कहा, ''मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि चेन्नई एक बार फिर 13 से 17 जून तक प्रतिष्ठित एसडीएटी-डब्ल्यूएसएफ स्क्वाश विश्व कप की मेजबानी करेगा। यह टूर्नामेंट का चौथा सत्र होगा। इस बार टूर्नामेंट में लैंगिक समानता और अंक प्रणाली में सुधार किया गया है। पिछले सत्रों में हर टीम में दो पुरुषों और एक महिला के मुकाबले इस बार दो पुरुष और दो महिला खिलाड़ी उतरेंगे। प्रत्येक मैच 'बेस्ट ऑफ फाइव गेम्स' के प्रारूप में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट की शुरुआत राउंड रॉबिन पूल चरण के साथ होगी और फिर नॉकआउट चरण के मुकाबले खेले जाएंगे। इसके घोषाल के अलावा अभय सिंह, जोशना और तन्वी खन्ना भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

हमारा प्रदर्शन प्लेऑफ के योग्य नहीं था : डुप्लेसी

बेंगलुरु । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के कप्तान फाफ डुप्लेसी ने माना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उनकी टीम को प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और वह प्लेऑफ के योग्य नहीं थी। डुप्लेसी के अनुसार इस सत्र में उनकी टीम का प्रदर्शन प्लेऑफ की शीर्ष चार टीमों के स्तर का नहीं था। आरसीबी का आईपीएल अभियान गुजरात टाइटंस के खिलाफ अंतिम लीग मैच में मिली हार के साथ ही समाप्त हो गया। वहीं टीम अगर इस मुकाबले को जीत जाती तो उसे मुंबई इंडियंस की जगह प्लेऑफ में जगह मिल जाती। आरसीबी की टीम ने अब तक आईपीएल ट्रॉफी नहीं जीती है। इस सत्र में डुप्लेसी के नाम अब तक सबसे अधिक रन है। इसके बाद भी टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। आरसीबी की ओर से जारी एक वीडियो में डुप्लेसी ने कहा, ''मैं बहुत निराश हूं कि हमारा सत्र यहीं खत्म हो गया पर अपनी टीम के प्रदर्शन पर अगर हम ईमानदारी से नजर डालें तो लगेगा कि हम प्रतियोगिता की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक नहीं थे।

शैली आने वाले समय में शीर्ष खिलाड़ी बनेगी : अंजू बॉबी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

पूर्व ओलंपियन अंजू बॉबी जॉर्ज ने एथलीट शैली सिंह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि आने वाले समय में वह विश्व की शीर्ष खिलाड़ी बनेगी। शैली ने इंडियन ग्रां प्री में 6.76 मीटर की छलांग लगाकर लंबी कूद में कांस्य पदक जीता है। यह अंजू के बाद किसी भारतीय महिला का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। शैली ने सीनियर स्तर पर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय पदक जापान में सेइको ग्रां प्री में 6.65 मीटर छलांग लगाकर कांस्य पदक के साथ हासिल किया है। शैली की सीनियर स्तर पर यह पहली वैश्विक प्रतियोगिता थी। अंजू ने कहा कि शैली ने 19 साल की उम्र में जितनी लंबी कूद लगाई है वह शानदार है। वह बेहतरीन प्रतिभाओं में से एक है और हमें बेहद सतर्कता के साथ उसे निखारना होगा जिससे कि परिपक्व होने पर वह विश्व की सर्वश्रेष्ठ खिलाडियों में से एक बन सके।

विश्व चैम्पियनशिप का पदक जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला एथलीट अंजू और उनके पति रॉबर्ट बॉबी जॉर्ज ने शैली को 2017 में खोजा था जब वह सिर्फ 13 साल की थी। शैली अभी रॉबर्ट के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग कर रही हैं। अंजू ने कहा कि जापान में कांस्य पदक जीतना शैली का प्रतिभावान एथलीट से वैश्विक स्तर पर लगातार पदक जीतने वाली खिलाड़ी के रूप में बदलाव की ओर पहला कदम है। उन्होंने कहा कि इस पदक से उसका मनोबल भी काफी बढ़ेगा। आपको बदलाव के लिए इस तरह की प्रतियोगिताओं और सम्मान की जरूरत होती है। उसकी उम्र अभी कम है और आगामी वर्षों में वह और अधिक उपलब्धियां हासिल करेगी। अंजू ने कहा- मुझे उम्मीद है कि शैली एशियाई खेलों में कम से कम एक पदक जीत सकती है और बुडापेस्ट में विश्व चैपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई कर सकती है।

डरबन में जापान की हिरानो मिटू महिलाओं के एकल टेनिस मैच में रिटर्न शॉट लगाती हुई।

लॉ

सिर्फ वकालत ही नहीं करियर के लिए और भी हैं अवसर

बारहवीं पास करने के बाद छात्रों के सामने लॉ में भी करियर बनाने का विकल्प होता है। कानूनी पेशा युवाओं के बीच बीते कुछ वर्षों में काफी लोकप्रिय हुआ है। चुनौतियों से भरा होने के बावजूद यह पेशा करियर की दृष्टि से एक आकर्षक विकल्प है। कानून से जुड़ी पेचिदगियों और विस्तृत होते समाज के बीच वकीलों की भूमिका बेहद अहम हो गई है। उनका महत्व तब और भी बढ़ जाता है, जब समाज में तेजी से कानूनी प्रक्रियाओं और अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता आ रही हो। लगभग हर दिन कोई न कोई नया आविष्कार या तकनीकी विकास होता है, इस कारण समय-समय पर सरकार को नए कानून बनाने या पूर्व प्रचलित कानूनों में संशोधन करने की जरूरत पड़ती है। परिणामस्वरूप नए कानूनों की जद में आने वालों के लिए पेशेवर कानूनी सलाह लेना जरूरी हो जाता है। इस वजह से भी वकीलों यानी लॉयर की मांग में कई गुना वृद्धि हुई है।

कौन हैं लॉयर

प्रतिष्ठित शब्दकोशों के मुताबिक लॉयर वह व्यक्ति है, जो कानूनी दांवपेचों को जानने और समझने में कुशल हो। एक अन्य परिभाषा पर गौर करें, तो लॉयर किसी सरकार या उसकी एजेंसी द्वारा अधिकृत वह व्यक्ति होता है, जो लॉ की प्रैक्टिस करने के अलावा अपने क्लाइंटों को कानूनी मुद्दों पर सलाह देने का कार्य करता है। किसी आम व्यक्ति की दृष्टि से देखें, तो लॉयर वह व्यक्ति है, जो किसी व्यवस्था (खासकर वैधानिक) की खामियों को तलाशने में दक्ष होता है।

लॉयर का काम

कानून के ये पेशेवर अपने क्लाइंट के लिए वकील और सलाहकार (एडवाइजर) की भूमिका निभाते हैं। दीवानी (सिविल) या फौजदारी (क्रिमिनल) मामलों में ये वादी (कम्प्लेनेंट) या प्रतिवादी (डिफेंडेंट) का संबंधित अदालतों में पक्ष रखते हैं। वह अदालत में अपने क्लाइंट की ओर से मुकदमा दायर करते हैं और उसके पक्ष को लेकर बहस भी करते हैं। वह किसी मामले विशेष के लिए कानूनी स्थितियों को स्पष्ट भी करते हैं। एडवाइजर या सॉलिसिटर के रूप में वह अपने क्लाइंट को परामर्श देते हैं कि उनके (क्लाइंट के) मामले से संबंधित तथ्यों पर कौन–सा कानून किस तरह लागू होगा। अदालत में मामला पहुंचने पर सॉलिसिटर संबंधित मामले की पैरवी करने वाले वकील को जरूरी सलाह भी देते हैं।

कैसे बनें वकील

लॉ की पढ़ाई के बाद शुरुआती दौर में किसी वकील के साथ जूनियर असिस्टेंट के रूप में काम करना होता है। इस दौरान फाइलिंग, रिसर्च, अदालतों से तारीख लेना, नियोक्ता वकील के साथ अदालत की कार्यवाही में हिस्सा लेना और केस ड्राफ्ट करना (मुकदमे के कागजात तैयार करना) आदि काम करने पड़ते हैं। वकालत से जुड़ी इन बुनियादी चीजों को समझने के बाद स्वतंत्र रूप से वकील के रूप में काम शुरू किया जा सकता है।

कैसे बनें सॉलिसिटर

इसके लिए आर्टिकलशिप या पढ़ाई के दौरान किसी सॉलिसिटर फर्म में जूनियर के रूप में काम किया जा सकता है। यहां भी जूनियर को वकालती पेशे से जुड़े रोजमर्रा के काम (मसलन केस को पढ़ना, सूट फाइल करना और नोटिस तैयार करना आदि) करने होते हैं। इस दौरान जूनियर को अपने वरिष्ठों के मार्गदर्शन में तरह–तरह के कानूनों (लेबर, टैक्सेशन और इंडस्ट्रियल लॉ आदि) से संबंधित मामलों को समझने का मौका मिलता है। कुछ वर्षों के अनुभव के बाद जूनियर अपने वरिष्ठों के समान ही दक्ष हो जाते हैं। इसके बाद वह किसी भी सॉलिसिटर फर्म में सॉलिसिटर बन सकते हैं। मौजूदा वक्त में लॉ ग्रेजुएट के लिए भरपूर संभावनाएं हैं। वह एडवोकेट के रूप में किसी न्यायालय में प्रैक्टिस करने के अलावा किसी कॉर्पोरेट फर्म के लिए भी काम कर सकते हैं। इसी तरह राज्यों के लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली न्यायिक सेवा परीक्षा को पास करके जज भी बना सकता है। वकालत का लंबा अनुभव होने पर सॉलिसिटर जनरल या पब्लिक प्रोसिक्यूटर बनने का भी अवसर होता है। इसी अनुभव की बदौलत सरकारी विभागों और मंत्रलयों में भी काम हासिल करना संभव होता है। इतना ही नहीं लॉयर बनकर किसी फर्म या ऑर्गनाइजेशन में लीगल एडवाइजर या लीगल काउंसिल के रूप में भी काम किया जा सकता है। इसके अलावा उनके पास टैक्स, एक्साइज, पेटेंट, लेबर और इंवायरन्मेंटल लॉ आदि से संबंधित लीगल कंसल्टेंसी फर्मो में काम करने का भी विकल्प होता है। वह विभिन्न ट्रस्टों के लिए ट्रस्टी के रूप में और प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संगठनों में लीगल रिपोर्टर के रूप में भी काम कर सकते हैं। लॉ पेशेवरों के पास लॉयर बनने के इतर भी करियर के लिहाज से कई विकल्प होते हैं। वह लॉ कॉलेजों और स्कूलों में लेक्चरर या असिस्टेंट प्रोफसर बनकर अध्यापन कर सकते हैं। इतना ही नहीं वह राजनीति में भी उतर सकते हैं, क्योंकि काम के सिलसिले में उनका काफी लोगों से संपर्क रहता है।

योग्यता

छात्र अपनी सुविधा के अनुसार लॉ के तीन वर्षीय या पांच वर्षीय बैचलर डिग्री पाठ्यक्रम में से किसी एक को अध्ययन के लिए चुन सकते हैं। तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश ग्रेजुएशन के बाद मिलता है, जबकि पांच वर्षीय पाठ्यक्रम में दाखिला बारहवीं के बाद होता है। देश के जिन विश्वविद्यालयों में लॉ का तीन वर्षीय पाठ्यक्रम उपलब्ध है, वहां संबंधित संस्थान द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के जरिए दाखिले होते हैं। पांच वर्षीय पाठ्यक्रम की दाखिला प्रक्रिया को देखें, तो देश की 14 नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी इसके लिए क्लैट (कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट) नाम से प्रवेश परीक्षा का आयोजन करती हैं। इस परीक्षा में 50 फीसदी अंकों के साथ बारहवीं पास हुए छात्र आवेदन कर सकते हैं। परीक्षा में इंग्लिश, जनरल नॉलेज, मैथमेटिकल एबिलिटी, लीगल एप्टिटयूड और लॉजिकल रीजनिंग से प्रश्न पूछे जाते हैं। देश के कई अन्य विश्वविद्यालयों में भी लॉ में पांच वर्षीय पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। दाखिले के लिए ये सभी संस्थान अपने स्तर पर प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करते हैं।

लॉ में बैचलर डिग्री पाने के बाद एलएलएम और पीएचडी भी किया जा सकता है। इससे शिक्षण के क्षेत्र में जाने में मदद मिलेगी। अगर आप किसी किसी कानून विशेष में स्पेशलाइजेशन करना चाहते हैं, तो पीजी डिग्री और पीजी डिप्लोमा स्तर पर स्पेशलाइजेशन के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं।

पाठ्यक्रमों का नियमन

देश में एलएलबी पाठ्यक्रमों का नियमन बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) करता है। इसके अलावा देश में वकालत के लिए जरूरी दिशा–निर्देशों और नियमों को तय करने का कार्य भी बीसीआई करता है।

जरूरी गुण

- बेहतर संवाद कौशल
- अच्छी याददाश्त
- त्वरित प्रतिक्रिया देने का सामर्थ्य
- तार्किकता और चीजों का विश्लेषण करने में दक्षता
- ध्यान से बातों को सुनने का धैर्य
- दायरों को पार जाकर सोचने का हुनर
- कानूनी पहलुओं की बेहतर जानकारी
- समर्पण के साथ कड़ी मेहनत करने का जज्बा

उपलब्ध पाठ्यक्रम

- एलएलबी, अवधि – तीन वर्ष
- बीए एलएलबी (ऑनर्स), अवधि – पांच वर्ष
- बीएससी एलएलबी (ऑनर्स), अवधि – पांच वर्ष
- बीकॉम एलएलबी (ऑनर्स), अवधि – पांच वर्ष
- एलएलएम पीएचडी

संबंधित संस्थान

- नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु
- गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी
- सिंबायोसिस सोसायटीज लॉ कॉलेज, पुणे
- नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर
- नल्सर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद
- नेशनल लॉ इंस्टीटयूट यूनिवर्सिटी, भोपाल
- फैकल्टी ऑफ लॉ, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी
- नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिडिकल साइंसेज, कोलकाता
- अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी
- गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली

कॉलेज लाइफ का हिस्सा बनने से जुड़ी अनुभूति बेहद खास होती है। इस अहसास को शब्दों में बयां करना काफी मुश्किल है। हर छात्र में कॉलेज के पहले दिन को लेकर एक उत्साह होता है। लेकिन इसके साथ ही छात्रों के मन में रैगिंग से जुड़ा एक डर भी होता है। इसकी वजह रैगिंग से जुड़ी वे घृणित और अमानवीय घटनाएं होती हैं, जिनकी सूचना उन्हें अखबारों, समाचार चैनलों या अपने दोस्तों से मिली होती है।

रैगिंग से घबराएं नहीं हिम्मत से करें मुकाबला

रैगिंग को आमतौर पर पुराने छात्रों द्वारा कॉलेज लाइफ में नए छात्रों के स्वागत का दोस्ताना तरीका माना जाता है। एक रूप में इसे नए छात्रों और पुराने छात्रों के बीच की दूरियों को पाटने का प्रयास भी माना जाता है, जो नए छात्रों को अपने वरिष्ठों (सीनियर्स) के साथ घुलने–मिलने और संवाद कायम करने का मौका देता है। हालांकि बीते कुछ वर्षों में सामने आए कई मामलों ने इसे मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न के माध्यम के रूप में कुख्यात कर दिया है।

कॉलेज के पहले दिन

अच्छे मिजाज और खुले दिमाग के साथ कॉलेज में पहले दिन की शुरुआत करें। अगर वरिष्ठ आपसे कोई मजाकिया या दिमागी सवाल पूछें, आपको कोई सामूहिक काम सौंपें, नाचने या गाने को कहें, तो उनकी बातों को सहजता से मान लें। इनमें से कई चीजें आपके लिए सामाजिक रूप से चुनौतीपूर्ण होंगी, लेकिन इनसे आपको अपने कंफर्ट जोन से बाहर कदम बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह आपके लिए एक अनुभव जैसा होगा, जो आपको सिखाएगा कि नई तरह की चुनौतियों के दबाव से कैसे निपटा जाता है। कुछ वरिष्ठ आपको ऐसे भी मिल सकते हैं, जो आपके सामने अपनी वरिष्ठता जताने की कोशिश करेंगे, ऐसी स्थिति का सहज रहते हुए अपने विवेक के सहारे सामना करें। इस दौरान अगर आपको महसूस हो कि वह (वरिष्ठ छात्र) मर्यादा की सीमाएं लांघ रहे हैं, तो तत्काल वहां से हट जाएं। एक बात हमेशा ध्यान में रखिए कि किसी कार्य को करने के लिए कोई भी आपको मजबूर नहीं कर सकता है। इसी तरह किसी की बात पसंद न आने पर आपको उस जगह से जाने से भी कोई नहीं रोक सकता है। अगर कोई आपकी इच्छा के विरुद्ध आपको जबरदस्ती कुछ करने के लिए मजबूर करता है, तो चुप मत रहिए, तत्काल अपने कॉलेज प्रशासन को अपने साथ हुए व्यवहार की शिकायत कीजिए। हर कॉलेज के परिसर में एक एंटी–रैगिंग स्काड होता है, जो गलत ढंग से छात्रों के साथ की जाने वाली रैगिंग पर नजर रखने और दोषियों के खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई करने के लिए जिम्मेदार होता है। ऐसी स्थिति में आप कॉलेज प्रशासन द्वारा स्थापित किए गए हेल्पलाइन नंबरों पर भी मदद के लिए संपर्क कर सकते हैं।

रैगिंग से बचने के कुछ तरीके

- अगर कोई आपके साथ मारपीट करता है, तो खुद मारपीट में उलझने की बजाए इस स्थिति से खुद को बचाने के लिए वहां से भागने की कोशिश करें। फिर कॉलेज के शिक्षकों या प्रशासनिक अधिकारियों को घटना के बारे में सूचित करके मदद मांगें।
- सभी के साथ सहज व्यवहार करें और खुद को कहीं से भी डरा हुआ या अजनबी महसूस न होने दें। इसी के साथ यह भी जरूरी है कि आप खुद को अति आत्मविश्वासी और ज्यादा तेज भी न दिखाएं।
- कॉलेज में किसी परिचित (दोस्त, रिश्तेदार या कोई करीबी व्यक्ति) को तलाशने की कोशिश करें, जो कॉलेज के माहौल में ढलने में आपकी मदद कर सके।
- लोगों और अपने सहपाठियों के साथ बात करने में सावधानी बरतें। कोई ऐसी बात न करें, जो तार्किक रूप से गलत हो मसलन किसी शहर, धर्म या जाति आदि से संबंधित लोगों को तुच्छ बताना। इसी तरह बातचीत के क्रम में शब्दों के इस्तेमाल पर भी खास ध्यान दें, क्योंकि बिना किसी दुर्भावना के कही गई सामान्य से सामान्य बात को भी लोगों द्वारा तोड़–मरोड़कर गलत अर्थों में पेश किया जा सकता है। अगर कभी गलती से आप ऐसी किसी स्थिति में फंस जाएं, तो लोगों के बीच आपसी संवाद को बढ़कर स्थिति को सामान्य करने की कोशिश करें।
- दाखिला लेने से पहले कॉलेज के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानने की कोशिश करें। अगर उसमें रैगिंग से जुड़े मामलों की ज्यादा संख्या के बारे में पता चले, तो किसी और कॉलेज में प्रवेश लेने के विकल्प के बारे में भी सोचें।

रैगिंग होने पर क्या करें

- अपने अभिभावकों को सूचित करें। यह मत सोचें कि जो हुआ वह चलता रहता है और उसके बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है।
- कॉलेज में शिकायत करें।
- अपने दोस्तों को अपने साथ हुई घटना के बारे में बताएं।

होम साइंस में भी संभव है बेहतर करियर और रोजगार की तलाश

दसवीं या बारहवीं पास करने वाले छात्रों के लिए साइंस, कॉमर्स और ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम के बाद होम साइंस के रूप में एक और विकल्प होता है। करियर के लिहाज से यह विकल्प छात्रों और अभिभावकों के बीच बहुत ज्यादा चर्चित नहीं है। इसकी वजह कुछ गलत धारणाएं हैं, जो होम साइंस स्ट्रीम में मौजूद अवसरों की जानकारी न होने से छात्रों और अभिभावकों में बनी हैं। आज के कॉलम में पढ़िए होम साइंस स्ट्रीम और उससे जुड़े तरक्की के आयामों के बारे में।

क्या है होम साइंस स्ट्रीम

यह एक ऐसी स्ट्रीम है, जिसे भ्रांतिवश सही संदर्भो में न समझकर सिर्फ लड़कियों के लिए मान लिया जाता है। काफी अभिभावक लड़कियों की शिक्षा को जरूरी मानते हैं, लेकिन वह इससे भी ज्यादा अहमियत इस बात को देते हैं कि लड़कियां घर और उसके कामकाज को संभालन में ज्यादा कुशल हों। होम साइंस की पढ़ाई में होम मैनेजमेंट के प्रशिक्षण के अलावा कई तरह के रोजगारों में उपयोगी कौशल का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। इसलिए यह कहना ठीक नहीं है कि यह स्ट्रीम सिर्फ लड़कियों के लिए ही उपयोगी है। इस स्ट्रीम के तहत मिलने वाले प्रशिक्षण का लाभ लड़के भी रोजगार कुशलता (इंप्लॉयबिलिटी स्किल) बढ़ाने में कर सकते हैं। बदलती सामाजिक परिस्थितियों में घर और पारिवारिक जीवन के कल्याण और उनकी देखरेख के लिए आधुनिक ढंग और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से युक्त होम मैनेजमेंट जरूरी है। इस जरूरत को पूरा करने की शिक्षा और उपयोगी प्रशिक्षण देने का कार्य होम साइंस करता है। यह 'बेहतर जीवनशैली' पर केंद्रित शिक्षा है और इसकी अवधारणा का मूल बिंदु पारिवारिक पारिस्थितिकी (इकोसिस्टम) का निर्माण है।

होम साइंस का विषय क्षेत्र

इस स्ट्रीम के पाठ्यक्रम में साइंस और ह्यूमेनिटीज के विषय भी शामिल होते हैं। इस कारण इस स्ट्रीम का अध्ययन क्षेत्र काफी व्यापक होता है। इसमें केमिस्ट्री, फिजिक्स, फिजियोलॉजी, बायोलॉजी, हाइजिन, इकोनॉमिक्स, रूरल डेवलपमेंट, चाइल्ड डेवलपमेंट, सोशियोलॉजी एंड फैमिली रिलेशन्स, कम्यूनिटी लिविंग, आर्ट, फूड, न्यूट्रिशन, क्लॉथिंग, टेक्सटाइल्स और होम मैनेजमेंट आदि विषय शामिल होते हैं।

10वीं के बाद है उपलब्ध

विषय के रूप में होम साइंस सीबीएसई और ज्यादातर राज्य बोर्डों में 11वीं और 12वीं कक्षा के स्तर पर उपलब्ध है। कॉलेज के स्तर पर इस विषय की उपलब्धता को देखें, तो यह देश के काफी विश्वविद्यालयों में तीन वर्षीय बैचलर डिग्री पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ाया जा रहा है। इस विषय के साथ बीए या बीएससी डिग्री हासिल की जा सकती है। होम साइंस में ग्रेजुशन के बाद इस विषय में मास्टर डिग्री की पढ़ाई करने के अलावा फैशन डिजाइनिंग, डाइटिटिक्स, काउंसलिंग, सोशल वर्क, डेवलपमेंट स्टडीज, इंटरप्रिन्योरशिप, मास कम्यूनिकेशन और कैटरिंग टेक्नोलॉजी आदि विषयों में भी पोस्ट ग्रेजुएशन किया जा सकता है। इस विषय के छात्रों के पास बीएड करने का भी विकल्प रहता है।

होम साइंस के प्रमुख क्षेत्र

- फूड एंड न्यूट्रिशन
- रिसोर्स मैनेजमेंट
- ह्यूमन डेवलपमेंट
- फैब्रिक एंड अपेरल साइंस
- कम्यूनिकेशन एंड एक्सटेंशन

इन क्षेत्रों के अलावा कुछ अन्य विषय भी होम साइंस के पाठ्यक्रमों में शामिल होते हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं–इंटरप्रिन्योरशिप, फैमिली लाइफ एजुकेशन, चाइल्ड डेवलपमेंट, टेक्सटाइल डिजाइनिंग, होम इकोनॉमिक्स, माइक्रोबायोलॉजी, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, फूड प्रिजर्वेशन और फैशन डिजाइनिंग।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

डिप्लोमा इन होम साइंस 'बीएससी (होम साइंस) 'बीएससी (ऑनर्स) होम साइंस बीएचएससी 'बीएससी (ऑनर्स)फूड एंड न्यूट्रिशन 'बीएससी (ऑनर्स) ह्यूमन डेवलपमेंट
एमएससी (होम साइंस) 'पीएचडी

जरूरी गुण

विश्लेषणात्मक सोच 'प्रायोगिक और तार्किक दृष्टिकोण 'वैज्ञानिक सूझबूझ 'चीजों को व्यवस्थित करने का हुनर –
- सौंदर्यबोध और रचनाशीलता
- प्रभावी संवाद कौशल
- विवेक के साथ घरेलू जुड़े कार्यों को करने में रुझान हो
- संतुलित नजरिया

रोजगार के मौके

- टेक्सटाइल के क्षेत्र में मर्चेडाइजर या डिजाइनर
- हॉस्पिटल और खाद्य क्षेत्र में न्यूट्रिशनिस्ट या डाइटिशियन
- टूरिस्ट रिजॉर्ट, रेस्टोरेंट और होटल में हाउस कीपिंग कार्य की देखरेख
- शैक्षणिक या कामकाजी संस्थानों में कैंटरिंग सुविधा देने का कार्य
- खाद्य उत्पादों के निर्माण और विकास कार्यों का पर्यवेक्षण
- रिसोर्स मैनेजमेंट
- फैमिली काउंसलर
- सोशल वर्क और ह्यूमन डेवलपमेंट
- अनुसंधान और शिक्षण कार्य
- टेक्सटाइल, फूड, बेकिंग और कंफेक्शनरी के क्षेत्र में स्वरोजगार

संबंधित संस्थान

- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- यूनिवर्सिटी ऑफ बॉम्बे, मुंबई
- आचार्य एनजी रंगा एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद
- इलाहाबाद एग्रीकल्चरल इंस्टीटयूट, इलाहाबाद
- चंद्रशेखर आजाद यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, कानपुर
- यूनिवर्सिटी ऑफ कैलकटा, कोलकाता
- राजस्थान एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, बीकानेर
- राजेंद्र एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, पूसा
- नरेंद्र देव यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, फैजाबाद
- गोविंद बल्लभ पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, पंतनगर
- महाराणा प्रताप यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, उदयपुर
- सीएसके हिमाचल प्रदेश एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, पालमपुर

स्कूल की छत गिरने से चार बच्चों समेत सात लोगों की मौत

बैंकॉक ।उत्तरी थाईलैंड में आंधी के कारण एक स्कूल की छत गिरने से सोमवार को चार बच्चों समेत सात लोगों की मौत हो गई। ?मिली जानकारी के अनुसार बैंकॉक से 300 किलोमीटर उत्तर में स्थित फिचित प्रांत के जन संपर्क कार्यालय के अनुसार, यह हादसा वाट नेर्न पोर प्राथमिक स्कूल में हुआ। सोमवार देर रात को अस्पताल में भर्ती छह साल के लड़के की मौत होने के बाद मृतकों की संख्या बढ़ गई। आधिकारिक आपदा रोकथाम विभाग के एक फेसबुक पोस्ट के मुताबिक, बारिश से बचने के लिए कई छात्रों ने स्कूल परिसर के गतिविधि केंद्र में शरण ले रखी थी, तभी छत गिर गई, जिससे 18 लोग घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रांतीय जनसंपर्क विभाग के स्टाफ सदस्य पतचरीन सिरी ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले लोगों में चार छात्र, दो अभिभावक और स्कूल का एक सफाई कर्मी शामिल हैं। मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तरी थाईलैंड में इस सप्ताह भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की है।

गर्लफ्रेंड लॉरेन सांचेज से अमेजन के मालिक जेफ बेजोस ने की सगाई

सैन फ्रांसिस्को। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस और उनकी प्रेमिका लॉरेन सांचेज ने सगाई कर ली है। सूत्रों के हवाले से आ रही खबर के अनुसार 59 वर्षीय बेजोस और पूर्व पत्रकार 53 वर्षीय सांचेज ने 2018 में डेटिंग शुरू की थी। अमेजॅन के अरबपति मालिक ने 2019 में अपनी पहली पत्नी मैकेंजी स्कॉट को तलाक दे दिया था। उसके बाद उनका सांचेज के साथ रिश्ता सार्वजनिक हो गया था। बेजोस ने स्कॉट के साथ 38 अरब डॉलर का तलाक समझौता किया था। उनके चार बच्चे हैं। पिछले हफ्ते, बेजोस को स्पेन में अपनी 500 मिलियन डॉलर की शानदार नौका पर सांचेज के साथ शर्टलेस, धूप सेंकते हुए देखा गया था। इससे पहले मई में, युगल को एफ 1 मियामी ग्रैंड प्रिक्स में देखा गया था और अप्रैल में कोचेला में भाग लेने के दौरान भी साथ देखा गया था। इसके अलावा, सांचेज को जल्द ही ब्लू ओरिजिन पर महिला अंतरिक्ष मिशन का नेतृत्व करने वाली पहली शख्स के रूप में भी जाना जा सकता है। ब्लू ओरिजिन ने पिछले साल अंतरिक्ष में अपनी पांचवीं पर्यटक उड़ान सफलतापूर्वक शुरू की थी।

टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने वाले अमेरिकी राज्य मोंटाना पर किया मुकदमा

सैन फ्रांसिस्को। चीनी शॉर्ट-वीडियो मेकिंग ऐप टिकटॉक ने मंगलवार को अमेरिकी राज्य मोंटाना पर मुकदमा दायर किया है। बता दें ?कि मोंटाना के गवर्नर ग्रेग जियानफोर्ट ने पिछले सप्ताह राज्य में टिकटॉक पर प्रतिबंध लगा दिया था। टिकटॉक ने अपनी शिकायत में कहा कि मोंटाना का प्रतिबंध उपयोगकर्ता द्वारा बनाई गई सामग्री को होस्ट करने और वितरित करने के लिए कंपनी के अधिकार को सीमित करके संविधान का उल्लंघन करता है। कंपनी ने एक ट्वीट में कहा, हम मोंटाना के प्रतिबंध को चुनौती दे रहे हैं ताकि हमारे व्यापार और मोंटाना में हजारों टिकटॉक उपयोगकर्ताओं के अधिकारों की रक्षा की जा सके। राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध की मांग के बीच टिकटॉक हाल के महीनों में अमेरिका में अत्यधिक दबाव का सामना कर रहा है। पिछले हफ्ते जियानफोर्ट ने अमेरिकी राज्य में टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक पर हस्ताक्षर किए। इस लोकप्रिय लघु वीडियो ऐप पर प्रतिबंध लगाने वाला यह पहला अमेरिकी राज्य है। जियानफोर्ट ने ट्वीट किया, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से मोंटानांस के व्यक्तिगत और निजी डेटा की रक्षा के लिए, मैंने मोंटाना में टिकटॉक पर प्रतिबंध लगा दिया है। बिल टिकटॉक को मोंटाना के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र के भीतर संचालन से रोकता है और इसके लिए आवश्यक है कि इसके ऐप को मोंटाना मोबाइल ऐप स्टोर से हटा दिया जाए। सिर्फ टिकटॉक ही नहीं, गवर्नर ने टेलीग्राम मैसेंजर, चीनी ऐप वीचैट, टेमू, कैपकट और लेमन8 पर भी प्रतिबंध लगा दिया। मोंटाना की नई नीति 1 जून से लागू होगी।

ब्रिटेन में नकदी, ड्रग्स पहुंचाने वाली भारतीय मूल की महिला को जेल

– मनदीप कौर को 50,000 पाउंड के साथ गिरफ्तार किया गया था

लंदन । लंदन की एक 41 वर्षीय भारतीय मूल की महिला को बकिंघमशायर स्थित एक संगठित अपराध समूह के लिए नकदी और ड्रग कूरियर के रूप में कार्य करने के लिए चार साल से अधिक की जेल की सजा सुनाई गई है। साउथ ईस्ट रीजनल ऑर्गनाइज्ड क्राइम यूनिट (एसईआरओसीयू) की जांच के बाद लंदन के पॉकलिंगटन क्लोज की मनदीप कौर को जून 2020 में नकद 50,000 पाउंड के साथ गिरफ्तार किया गया था। आयलेसबरी क्राउन कोर्ट में दो सप्ताह की सुनवाई के बाद पिछले सप्ताह जूरी ने बहुमत से उसे क्लास ए ड्रग्स की आपूर्ति करने की साजिश का दोषी पाया। इसके अलावा जूरी ने सर्वसम्मति से उसे आपराधिक संपत्ति रखने की साजिश का दोषी पाया था। अदालत को बताया गया कि कौर, जिस पर आरोप था कि उसने अपनी गिरफ्तारी से तीन दिन पहले एक किलोग्राम कोकीन की डिलीवरी की थी, ने एक आपराधिक समूह के लिए कई यात्राएं की थीं। यह समूह देश भर में कोकीन की आपूर्ति करने के लिए जिम्मेदार था। जांच अधिकारी, एसईआरओसीयू के डिटेक्टिव कॉन्स्टेबल डेल लेस्टर ने कहा ?कि इस मामले में ओसीजी (संगठित अपराध समूह) में कौर की भागीदारी महत्वपूर्ण थी। उसने समूह के एक वरिष्ठ सदस्य के निर्देश के तहत स्वेच्छा से आपराधिक धन का लेनदेन किया। उन्होंने कहा कि एक मौके पर कौर एक कदम और आगे बढ़ते हुए एक किलो कोकीन खुद बेच दिया, उसने आर्थिक लाभ के लिए अपनी मर्जी से ऐसा करने का फैसला किया। बड़े पैमाने पर नशीली दवाओं की आपूर्ति की साजिश में शामिल होने के लिए कौर को कुल चार साल और आठ महीने की कैद की सजा सुनाई गई है। कौर की गिरफ्तारी एक संगठित अपराध समूह के भारतीय मूल के तीन सदस्यों कुरान गिल, जग सिंह और गोविंद बाहिया के जेल जाने के कुछ दिन बाद हुई है। तीनों को इस महीने की शुरुआत में कनाडा से ब्रिटेन में लगभग 10 लाख पाउंड मूल्य की भांग की तस्करी के लिए जेल भेजा गया है। राष्ट्रीय अपराध एजेंसी की जांच के बाद पिछले सप्ताह जोशपाल सिंह कोठीरिया को नीदरलैंड से ब्रिटेन और आयरलैंड में लाखों पाउंड की ड्रग्स की आपूर्ति करने की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया था।

मिजोरम में 12 करोड़ की ड्रग्स जब्त, एक गिरफ्तार

आइजोल । मिजोरम में पुलिस ने 12 करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन जब्त की और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि गुप्त सूचना के आधार पर आइजोल के पास तौंगतैमुअल जेमाबाक में एक ट्रक को रोका गया। वाहन से साबुन की 200 पेटियों में छिपाई गई हेरोइन बरामद की गई। पुलिस अधिकारी ने कहा कि असम के हैलाकांडी जिले के रहने वाले ट्रक चालक के 16 वर्षीय सहायक को बरामदगी के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। जब्त हेरोइन, वाहन और गिरफ्तार आरोपी को आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए बावंगकान थाना को सौंप दिया गया। हेरोइन की तस्करी म्यांमार से की गई थी। एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

स्कूल हॉस्टल में भीषण आग लगने से 19 बच्चों की जलकर मौत

जॉर्जटाउन । गुयाना में एक बोर्डिंग स्कूल के छात्रावास में भीषण आग गई। जिसके कारण 19 विद्यार्थियों की मौत हो गई तथा कई अन्य झुलस गए हैं। मृतकों में ज्यादातर लड़कियां हैं। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। उधर घटना पर दुख व्यक्त करते हुए राष्ट्रपति इरफान अली ने कहा कि यह भयानक घटना है, यह दुखद है, यह दर्दनाक है।' उन्होंने कहा कि सरकार घायलों के उपचार के लिए हरसंभव कदम उठा रही है। सरकार ने एक बयान में बताया कि राजधानी जॉर्जटाउन से करीब 320 किलोमीटर दूर दक्षिण पश्चिमी सीमावर्ती शहर महदिया में एक माध्यमिक स्कूल के छात्रावास इमारत में रविवार रात करीब 10 बजकर 50 मिनट पर आग लगी। अभी आग लगने की वजह का पता नहीं चला है। जॉर्जटाउन हॉस्पिटल के डॉ. विकिता नंदन ने बताया कि हताहतों में लगभग सभी लड़कियां हैं। पांच साल के एक लड़के का भी उपचार किया जा रहा है। अधिकारियों ने शुरुआत में बताया था कि 20 विद्यार्थियों की मौत हुई है लेकिन बाद में उन्होंने 19 लोगों के मारे जाने की सूचना दी और कई अन्य घायल हैं। गुयाना की दमकल सेवा ने कहा कि जब दमकलकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे तो इमारत पूरी तरह आग की चपेट में आ चुकी थी।' विभाग ने बताया कि 14 विद्यार्थियों की मौके पर ही मौत हो गई तथा पांच अन्य की एक स्थानीय अस्पताल में मौत हुई।

लंदन में फ्लावर शो में एक महिला अपने चेहरे को पेंट से सजाकर पहुंची।

इमरान की समर्थकों से अपील, गिरफ्तार करने पर शांति बनाए रखे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने समर्थकों को राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) द्वारा गिरफ्तार करने पर शांति बनाए रखने की सलाह दी है। इमरान के हवाले से कहा, मैं लोगों से शांतिपूर्ण रहने का आग्रह करता हूं, क्योंकि अगर आप हिंसक हो गए, तब उन्हें फिर से कार्रवाई का मौका मिलेगा। हमें हमेशा शांति से विरोध करना होगा। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष और पूर्व पीएम इमरान ने दावा किया कि उनकी गिरफ्तारी की संभावना अधिक है, हालांकि उन्होंने सभी मामलों में जमानत हासिल कर ली है। उन्होंने दावा किया, मेरे पास आवश्यक सभी जमानतें हैं, लेकिन स्थिति ऐसी है कि वे मुझे फिर से गिरफ्तार कर सकते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ने हालांकि कहा कि शांतिपूर्ण विरोध एक मौलिक अधिकार है और कोई भी लोगों को जनरल हेडक्वार्टर के बाहर भी अहिंसक प्रदर्शन आयोजित करने से नहीं रोक सकता। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी ने सरकार के साथ बातचीत शुरू करने के लिए कई प्रयास किए, लेकिन उन्हें चुनाव में कोई दिलचस्पी नहीं है। हमने बातचीत के लिए अपनी टीम बनाई, लेकिन उन्होंने हमारे नेताओं को सलाखों के पीछे डाल दिया। इसका मतलब यह है कि यह पूर्व नियोजित है ताकि बातचीत का फल न मिले। पीटीआई अध्यक्ष ने दोहराया कि उनका सेना से कोई झगड़ा नहीं है। लेकिन मैंने सुना है कि दूसरी तरफ से मतभेद हैं, जाहिर है, उनके पास मेरे खिलाफ कुछ है। इमरान के अनुसार, पंजाब की कार्यवाहक सरकार पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट और प्रतिष्ठान की प्रॉक्सी है।

मेरे दोस्त अल्बनीस... पीएम मोदी ने बताई भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों की सी-डी-ई

भौगोलिक दूरी जरूर, हिंद महासागर हमें आपस में जोड़ता है

सिडनी/नई दिल्ली (एजेंसी)। सिडनी में सामुदायिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एक समय था जब कहा जाता था कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के संबंध को 3ष्ट(कॉमनवेल्थ, क्रिकेट, करी) पर आधारित है। उसके बाद कहा गया कि भारत और ऑस्ट्रेलिया का संबंध 3ष्ठ(डेमोक्रेसी, डायसपोरा, दोस्ती) पर आधारति है। कुछ लोगों ने ये भी कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया का संबंध 3श्च(एनर्जी, इकोनॉमी, एजुकेशन) पर आधारित है। अलग-अलग काल में ये बात संभवतः सही भी रही है। मगर भारत-ऑस्ट्रेलिया के ऐतिहासिक संबंधों का विस्तार इससे कहीं ज्यादा बड़ा है। इन संबंधों का

आधार आपसी विश्वास और आपसी सम्मान है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच कितनी भी भौगोलिक दूरियां क्यों न हों, हिंद महासागर हमें जोड़ता है! दोनों देशों की जीवन शैली अलग-अलग क्यों न हो, योग हमें जोड़ता है! क्रिकेट एक ऐसी चीज है जिसने हमें युगों से जोड़े रखा है... और अब टेनिस और सिनेमा अन्य जोड़ने वाले सेतु हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि मुझे ये जानकर अच्छा लगा कि आप सब ने भी आजादी का अमृत महोत्सव भी बड़े धूमधाम से मनाया है। हमारे क्रिकेट के रिश्ते को 75 वर्ष पूरे हो गए हैं। क्रिकेट की फील्ड पर मुकाबला जितना रोचक होता है उतनी ही गहरी हमारी ऑफ द फील्ड दोस्ती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत के पास सामर्थ्य की कमी नहीं है। भारत के पास संसाधनों की भी कमी नहीं है। आज दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे युवा टैलेंट फैक्ट्री भारत में है। हम केवल सुख के साथी नहीं है। अच्छा दोस्त सुख के साथ दुख का भी साथी होता है।

एनएबी कोर्ट ने इमरान खान, बुशरा को अलग-अलग मामलों में दी जमानत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान व उनकी बीवी बुशरा बेगम को एनएबी कोर्ट ने आठ अलग-अलग मामलों में जमानत दे दी है। इमरान खान आज अपनी बीवी बुशरा के साथ रावलपिंडी में नेशनल एकाउंटेबिलिटी ब्यूरो की अदालत में पेश हुए। इसी केस में बीते दिनों इमरान खान को कोर्ट परिसर से गिरफ्तार किया गया था। इमरान की ये पेशी अल कादिर ट्रस्ट केस में हुई है। इससे पहले संघीय राजधानी में एक आतंकवाद-रोधी अदालत (एटीसी) ने मंगलवार को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान को 8 जून तक आठ अलग-अलग मामलों में जमानत दे दी। बता दें कि दोनों पहली बार जवाबदेही अदालत के सामने सुरक्षात्मक जमानत की मांग करने के लिए पेश हुए। उस वक्त लाहौर हाई कोर्ट की तरफ से उन्हें भ्रष्टाचार मामले में फौरी राहत मिल गई थी। उनकी जमानत आज (23 मई) को समाप्त हो गई। गिरफ्तारी से बचने के लिए दोनों ही कोर्ट से राहत

की उम्मीद लिए एक बार फिर से न्यायिक परिसर में उपस्थित हुए।

न्यायाधीश मुहम्मद बशीर ने 500,000 रुपये के मुचलके पर बुशरा बीबी की 31 मई तक जमानत मंजूर कर ली। जांच अधिकारी (आईओ) को नोटिस जारी करने से पहले, ज़मानत बांड जमा करना सुनिश्चित करने के लिए उसने उसके हस्ताक्षर भी लिए। इसके अलावा खान और बुशरा बीबी आतंकवाद-रोधी अदालत (एटीसी) परिसर में गए, जहां पूर्व प्रधानमंत्री के वकील ने उनकी जमानत के लिए याचिका दायर की थी। एटीसी द्वारा जमानत मंजूर किए जाने के बाद पीटीआई प्रमुख और उनकी पत्नी न्यायिक परिसर से चले गए।

चीन की नगर निगम के ऊपर 1900 लाख करोड़ का कर्जा

–टैक्स और शुल्क बढ़ाए नगर निगमों ने

काठमांडू (एजेंसी)। बीजिंग (ईएमएस)। कर्ज के मकड़जाल से कोई भी देश बच नहीं पा रहा है। नागरिकों के ऊपर कर्ज का बोझ आसमानी मुसीबत के रूप में देखा जा रहा है। सरकारों, राज्य सरकारों एवं नगरीय निकायों के ऊपर सारी दुनिया के सभी देशों में पिछले वर्षों में भारी कर्ज की देनदारी बनी है। कर्ज और ब्याज के बोझ से नगरीय क्षेत्रों की हालत बहुत खराब हो गई है।

हाल ही में गोल्डमैन सैसे ने जो रिपोर्ट जारी की है। उसके अनुसार चीन की नगर निगमो के ऊपर 1900 लाख करोड रुपए से ज्यादा का कर्ज हो गया है। कई नगरीय निकायों में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। रूस की सीमा से लगे हुए चीन के हैंगांग शहर की हालत सबसे ज्यादा खराब है। अन्य नगर निगमों में भी आपातकाल घोषित करने की तैयारी शुरू हो गई है। जिन शहरों की आबादी 10 लाख से ज्यादा की है। वहां नगर निगमों ने टैक्स,जुर्माने और शुल्क को काफी बढ़ा दिया है। व्यवस्थाएं एक-एक करके चरमरा रही हैं। सफाई कर्मचारियों को 2 माह से अधिक का वेतन नहीं मिला है। शिक्षकों को भय है, कि उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाएगा। टैक्स वसूली का जिम्मा निजी क्षेत्रों को सौंपा जा रहा है। नागरिक आर्थिक वोट से कराह रहे हैं।

चीन भी कर्ज के मकड़जाल में बुरी तरह से फंस गया है। वह किस तरह से इस स्थिति का मुकाबला करेगा। वहां की सरकार को समझ में नहीं आ रहा है। चीन के नागरिकों का कर्ज और ब्याज के बोझ से आर्थिक कष्ट बढ़ गया है। वहीं नागरिक सुविधाओं में भी लगातार कटौती हो रही है। शहरों में सफाई नहीं हो पा रही है। स्वास्थ्य सेवा अस्त-व्यस्त हो रही हैं। जिसका गुस्सा नागरिकों में अब देखने को मिलने लगा है।

'चीन समर्थक' बताने वाली रिपोर्ट को बांग्लादेश ने किया सिरे से खारिज

–एक अखबार में छपे लेख पर बांग्लादेश के विदेश मंत्री अब्दुल मोमेन ने जताया कड़ा ऐतराज

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉ. ए. के. अब्दुल मोमेन ने एक अखबार में प्रकाशित लेख को झूठा और बेबुनियाद बताते हुए उसे खारिज कर दिया। इस लेख में मोमेन को 'चीन समर्थक' बताते हुए आरोप लगाया गया है कि 2018 में मंत्री बनने से पहले वह चीनी संगठनों के लिए एक लॉबिस्ट के रूप में काम करते थे। मोमेन ने एक अखबार में रविवार को प्रकाशित लेख का जिक्र करते हुए संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह (उनका वर्णन) बेहद चौंकाने वाला और विचित्र है। विदेश मंत्री ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की आगामी कतर यात्रा के बारे में जानकारी देने के लिए संवाददाता सम्मेलन किया था। यह लेख एक विश्लेषण के तौर पर लिखा गया है। इसमें दावा किया गया है कि मोमेन ने 2018 में मंत्री बनने से पहले चीनी संगठनों के लिए लॉबिस्ट के तौर पर काम किया था। इस बयान को खारिज करते हुए मोमेन ने कहा कि लेख 'फर्जी और बेबुनियाद' है। उन्होंने कहा कि लेख में किए गए दावे के समर्थन में कोई संदर्भ या स्रोत्र का जिक्र नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, बल्कि मैं तो अमेरिका में रहता था और दशकों तक वहां काम किया।

गौरतलब है कि 2017 में राजनीति में आने से पहले मोमेन ने संयुक्त राष्ट्र के लिए बांग्लादेश के स्थायी प्रतिनिधि के तौर पर सेवा दी। वह तीन दशक से अधिक समय तक अमेरिका में रहे और बोस्टन में एक विवि में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर के रूप में काम किया। मोमेन 2018 के आम चुनाव के बाद देश के विदेश मंत्री बने। रविवार को लेख प्रकाशित होने के कुछ देर बाद विदेश मंत्रालय ने विश्लेषणात्मक लेख की निंदा की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मोमेन के बारे में टिप्पणी सरासर झूठ है और गलत इरादे से की गई है और इसने बांग्लादेश सरकार की छवि को धूमिल किया है। अमेरिका बांग्लादेश पर नए प्रतिबंध लगाएगा, रिपोर्ट के इस दावे के बारे में मोमेन ने कहा कि इसका कोई कारण नहीं है, यह संबंधित देश पर निर्भर करता है।

यौन शोषण के आरोपों के बीच पोप ने वेटिकन के अधिकारी को भेजा बोलीविया

ला पाज। पोप फ्रांसिस ने अपने शीर्ष यौन अपराध जांचकर्ताओं में से एक को ऐसे समय में बोलीविया भेजा है, जब यहां पादरियों से जुड़े बाल यौन शोषण कांड को लेकर कोहराम मचा है। गिराजाघर के 'डिकेस्ट्री फॉर द डॉक्टरेन ऑफ द फेथ' के प्रमुख सदस्यों में से एक मोनसिग्नोर जोर्डी बर्टोमु बोलीविया पहुंचे हैं। बोलीवियन एपिस्कोपल कॉन्फ्रेंस के अनुसार, बर्टोमू की यात्रा सीधे तौर पर हाल के यौन शोषण के आरोपों से संबंधित नहीं है, बल्कि वेटिकन की ''रोकथाम की रणनीति के क्षेत्र में हुई प्रगति'' का पता लगाने के लिए यह पहले से ही निर्धारित थी। बर्टोमू पैराग्वे से बोलीविया पहुंचे, जहां वे गिरजाघर के अधिकारियों के खिलाफ इसी तरह के आरोपों की जांच कर रहे थे। 2018 में उन्होंने चिली में नाबालिगों के खिलाफ पादरियों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार की जांच का भी नेतृत्व किया था। स्पेन के जेसुइट अल्फोंसो पेडराजस पर दुर्व्यवहार के आरोप लगने के तत्काल बाद बर्टोमू बेलीविया पहुंचे हैं। स्पेन के समाचार पत्र 'एल पेस' को मिली एक निजी डायरी के अनुसार, पेडराजस ने 1970 और 1980 के दशक में बोलीविया के कैथोलिक बोर्डिंग स्कूलों में करीब 85 नाबालिगों के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया। पेडराजस का 2009 में कैंसर से निधन हो गया था।

गगनचुंबी इमारतों के दबाव में हर साल थोड़ा-थोड़ा जमीन में धंस रहा न्यूयार्क शहर

–झुकने व जमीन में धंसने से रोकने 10 करोड़ डॉलर की शुरू हुई थी परियोजना

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। अमेरिका का न्यूयार्क शहर गगनचुंबी इमारतों के दबाव में हर साल थोड़ा-थोड़ा जमीन में धंस रहा है। इससे पहले 2020 में सैन फ्रांसिस्को में भी ऐसा ही कुछ सामने आया था, जब वहां के मिलेनियम टॉवर को झुकने और जमीन में धंसने से रोकने के लिए 10 करोड़ डॉलर की परियोजना शुरू की गई थी। न्यूयॉर्क शहर के धंसने की जानकारी सामने आने के बाद बड़े शहरों के धंसने या झुकने और अंधाधुंध विकास के बोझ को लेकर एक बार फिर नए सिरे से बहस शुरू हो गई है। एक अध्ययन यह तय करने की कोशिश करता है कि निर्माण पर्यावरण का भारी वजन शहरों के डूबने के लिए कितना जिम्मेदार है।

सैन फ्रांसिस्को के मिलेनियम टॉवर को झुकने और जमीन में धंसने से रोकने के लिए 2020 के आखिर में कराड़ों डॉलर की एक परियोजना पर काम शुरू किया गया। संकटग्रस्त लग्जरी कोंडो के किरायेदारों को इसके चार साल पहले पता चला था कि ये 58 मंजिला ऊंची इमारत एक दशक में करीब-करीब 16 इंच यानी एक फीट 4 इंच जमीन में धंस चुकी है। वैज्ञानिकों के मुताबिक किसी एक टॉवर या एक शहर के धंसने का मामला बहुत बड़ी समस्या का छोटा-सा हिस्सा है। ये सिर्फ खाड़ी या समुद्रतटीय क्षेत्रों से जुड़ी समस्या भी नहीं है। एक तरफ ऊंची इमारतें और बड़े शहर जमीन में धंस रहे हैं तो दूसरी तरफ ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने के कारण समुद्र का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।

एक जर्नल में प्रकाशित लेख में यह अनुमान लगाने की कोशिश की गई है कि शहरीकरण का बोझ शहरों के डूबने में कितना योगदान देता है। प्रकाशित पेपर में कहा गया है कि शहरों का जमीन में धंसना एक भूगर्भीय घटना है, जिसे भूमि घटाव भी कहा जाता है। मीडिया में आए लेखों के मुताबिक शहरीकरण भूमि घटाव के कई कारणों में से छोटा-सा एक कारण है। इसका असर लगातार बढ़ता ही रहेगा, क्योंकि दुनियाभर में ज्यादा से ज्यादा लोग शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। ऐसे में कम विकसित क्षेत्रों के मुकाबले घनी आबादी वाले विकसित शहरों के तेजी से डूबने की आशंका है। इस समय धरती की करीब 50 फीसदी आबादी शहरों में रहती है। इसके 2050 तक 70 फीसदी तक बढ़ने का अनुमान है।

यूएस जियोलॉजिकल सर्वे में भूकंप विशेषज्ञ और इस शोध के लेखक टॉम पार्सन्स ने केस स्टडी के तौर पर सैन फ्रांसिस्को के खाड़ी क्षेत्र को रखा। उनका अनुमान है कि सैन फ्रांसिस्को क्षेत्र की सभी इमारतों का सामूहिक वजन लगभग 1.6 ट्रिलियन किलोग्राम या 3.5 ट्रिलियन पाउंड है। समय के साथ जैसे-जैसे शहर का विकास हुआ, हो सकता है कि अकेले इसी कारण भूमि 80 मिलीमीटर या तीन इंच से अधिक धंस गई हो।

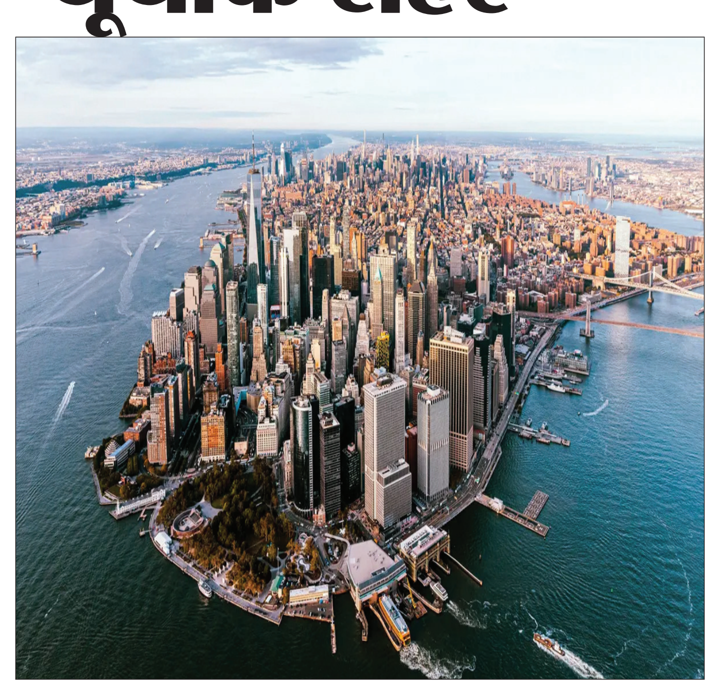

यूजर्स का डाटा अमेरिका भेजने वाली मेटा पर लगा 10 हजार करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली ।यूरोपीय यूनियन की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म चलाने वाली कंपनी मेटा पर 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 10,700 करोड़ भारतीय रुपये) का जुर्माना लगाया गया है। इसके पीछे की वजह कंपनी द्वारा यूजर्स का डाटा अमेरिका में भेजना था। गौरतलब है कि ये जुर्माना डाटा प्राइवेसी को लेकर लगाया गया है। यूरोप में कड़े डाटा प्राइवेसी कानून लागू करने के बाद यूरोपीय यूनियन द्वारा किसी कंपनी पर लगाया गया ये अब तक का सबसे बड़ा जुर्माना है। इससे पहले अमेजन पर 865 मिलियन अमेरिकी डॉलर (746 मिलियन यूरो) का जुर्माना डाटा प्रोटेक्शन के नियमों में उल्लंघन के लिए लगाया गया था। आयरिश डेटा प्रोटेक्शन कमीशन ने मेटा को यूजर्स का पर्सनल डाटा अमेरिका भेजने से रोकने के लिए 5 महीने का समय दिया गया है। कंपनी को अमेरिका में स्टोर यूजर्स के पर्सनल डाटा को लेकर भी समाधान निकालने को कहा गया है। एक दशक इस पुराने मामले में मेटा ने पहले यूरोप के यूजर्स की सेवाएं बंद करने की चेतावनी दी थी। हालांकि, कंपनी ने स्पष्ट किया है कि यूरोप में कंपनी की सेवाएं जारी हैं। जुर्माने पर मेटा के वैश्विक मामलों के अध्यक्ष निक क्लेग ने कहा कि ये निर्णय काफी त्रुटिपूर्ण और अन्यायपूर्ण है। यह यूरोप एवं अमेरिका के बीच डाटा भेजने वाली दूसरी कंपनियों के लिए भी खतरनाक नजीर पेश करता है। ये पूरा मामला यूरोपीय देशों से जुड़ा हुआ है। यूरोपीय नियामकों को इस बात की चिंता है कि इन कंपनियों के माध्यम से अगर यूजर्स का डाटा अमेरिका में पहुंचता है तो फिर अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों तक भी ये डाटा पहुंच सकता है।

हार से बौखलाई बीजेपी ने बंद किए 2000 के नोट, सपा का आरोप

इटावा । सपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव ने दो हजार रुपये के नोट चलन से बाहर किए जाने के फैसले पर केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कर्नाटक की हार से भाजपा बौखला गई है, इससे लोगों का ध्यान हटाने के लिए दो हजार रुपये के नोट बंद किए जा रहे हैं। रामगोपाल यादव ने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार ने इस नोट की छपाई में 1500 करोड़ रुपये खर्च किए थे और अब नया नोट लाया जाएगा तो उस पर धन व्यय किया जाएगा। यह लोग (भाजपा) देश को बर्बाद कर रहे हैं। वे मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम सब इतिहास में पढ़ते थे कि मो. तुगलक दिल्ली से दौलताबाद अपनी राजधानी ले गया था। और फिर बाद में दिल्ली वापस आ गया। जिस तरह तुगलक के बारे में लोग पहले सोचते थे वही धारणा अब यहां के शासकों के बारे में बन गई है। उन्होंने कहा कि जनता सब देख रही है और समय आने पर जवाब देगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने हर वस्तु पर टैक्स बढ़ा दिया है। प्रदेश में लोगों के जीवन का कोई मूल्य नहीं है।

जनगणना विधेयक मानसून सत्र में लाने की तैयारी

-मोबाइल ऐप से होगी जनगणना

नई दिल्ली । भारत के महापंजीयक के नए कार्यालय जनगणना भवन का उद्घाटन केंद्रीय गृह मंत्री ने किया। उन्होंने कहा,इस बार की जनगणना में लोगों की सामाजिक, आर्थिक स्थिति के सटीक आंकड़ों को जुटाने की प्रक्रिया पूर्ण होगी। उन्होंने कहा संसद के मानसून सत्र में विधेयक लाया जा रहा है। जल्द ही जनगणना का काम देश में शुरू हो जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा जनगणना में सटीक आंकड़े की जरूरत है। जनगणना के सटीक आंकड़े मिलने के बाद उन्हें अपग्रेड करने के लिए आरआरएस मोबाइल एप्लीकेशन को लांच किया। यह एप्लीकेशन जिओ फेसिंग की सुविधा से लैस होगी। जनगणना कर्मी घर घर जाकर ऐप में सभी डाटा को भरेंगे। अमित शाह ने कहा कि इस बार की जनगणना 35 पैरामीटर पर आधारित होगी। जनगणना के आंकड़े ऑनलाइन बिक्री के माध्यम से सभी लोगों को उपलब्ध कराए जाएंगे।

फिर मुंबई पुलिस को मिली मुंबई में विस्फोट करने की धमकी

मुंबई। अक्सर मुंबई में बम धमाकों की धमकी देने के मामले सामने आ रहे हैं. इस बार मुंबई पुलिस के ट्विटर हैंडल को टैग करते हुए एक धमकी भरी पोस्ट की गई है. पोस्ट में आरोपी ने लिखा कि, 'मैं बहुत जल्द ही मुंबई में विस्फोट करने वाला हूं'. फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है. पुलिस का कहना है कि यह पोस्ट 22 मई को सुबह 11 बजे के आसपास की गई थी. बताया गया है कि जब मुंबई पुलिस की सोशल मीडिया टीम ने पोस्ट देखी, इसकी जानकारी संबंधित पुलिस थाना को दी. थाने में अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है. जिस ट्विटर हैंडल से यह पोस्ट की गई है, उसकी भी जांच-पड़ताल की जा रही है. आपको बता दें कि इस तरह की धमकी का कोई यह नया मामला नहीं है. अभी कुछ दिनों पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को जान से मारने की धमकी दी गई थी. बीते अप्रैल महीने की 10 तारीख को महाराष्ट्र पुलिस के कंट्रोल रूम में एक शख्स ने फोन कर सीएम एकनाथ शिंद को जान से मारने की धमकी दी थी. शख्स ने फोन पर कहा था कि मैं एकनाथ शिंदे को उड़ा दूंगा. इतना कहने के बाद उसने फोन कटा दिया था. वहीं बीते मार्च महीने में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नागपुर स्थित घर एक शख्स ने फोन कर जान से मारने की धमकी दी थी और कहा था कि 10 करोड़ रुपए चाहिए. रुपए नहीं देने पर नुकसान पहुंचाने की बात कही थी. ज्ञात हो कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को आए दिन धमकी मिलती रहती है, जिसको लेकर मुंबई और नागपुर पुलिस काफी चौकन्ना रहती है.

मां ज्वालामुखी मंदिर में श्रद्धालु ने चढ़ाए 2 हजार के 400 नोट

ज्वालामुखी । 2,000 के नोट बंद होने के बाद ही एक श्रद्धालु ने ज्वालामुखी मंदिर में पहुंचकर 2,000 के 400 नोट यानि कुल 8 लाख रुपए मां ज्वालामुखी के दरबार में चढ़ाए। रविवार को हुई काऊंटिंग के बाद मामले का पता चला। ऐसा माना जा रहा है कि ये नोट शनिवार को ही चढ़ाए गए हैं। इससे एक दिन पहले ही 19 मई को भारतीय रिजर्व बैंक ने 2000 का नोट चलन से बाहर करने की घोषणा की थी। गौरतलब है कि अभी 2 दिन पहले ही केंद्र सरकार ने 2000 का नोट बंद किया है और उसके तुरंत बाद एक श्रद्धालु द्वारा 2000 रुपए के 400 नोटों को चढ़ाना अपने आप में कई सवाल खड़े करता है। मंदिर के कनिष्ठ अभियंता सुरेश कुमार ने बताया कि श्रद्धालुओं द्वारा यह राशि चढ़ाई गई है और मां के दरबार में कई बड़े से बड़े भक्त आते हैं, जो अक्सर बड़ी-बड़ी सौगातें मां के चरणों में अर्पित करते हैं और बड़े-बड़े चढ़ावे मां के दरबार में अर्पित करते हैं। नगर परिषद ज्वालामुखी के अध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि अभी सितम्बर माह तक 2000 के नोट बैंक में बदले जा सकते हैं। ऐसे में मां ज्वालामुखी के दरबार में यदि 2000 के नोट आते हैं तो निश्चित तौर पर उनका मंदिर को लाभ होगा। मंदिर के विकास कार्यों पर यह पैसा खर्च किया जाएगा।

लड़का पैदा होने की ख्वाहिश में 3 साल के बच्चे की दे दी नरबलि, शव बरामद

अलीगढ़ । उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में जादू टोना के चलते एक नरबलि की घटना आई सामने आई है। एक तीन साल के बच्चे की तांत्रिक विद्या के तहत सगे बुआ फूफा ने नरबलि दे दी। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर बच्चे का शव जमीन खोदकर बरामद कर लिया है। घटना चार दिन पुरानी बताई जा रही है। पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुटी है। मिली जानकारी के अनुसार गांधी पार्क थाना इलाके के एटा चुंगी कमालपुर रोड किनारे से कब्र खोदकर मासूम का शव बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार डोरी नगर का रहने वाला 3 साल का बच्चा अपनी बुआ के यहां मडराक थाना इलाके के मुकुंदपुर गांव गया हुआ था। आरोप है कि बुआ के पास 4 बेटियां हैं और बेटा कोई नहीं है। जिसके चलते उन्होंने 3 साल के बच्चे की बलि दे दी। पीड़ित पिता द्वारा एसएसपी कलानिधि नैथानी को लिखित में शिकायत की गई जिसके बाद एक्टिव हुई पुलिस ने बच्चे की डेड बॉडी को तालाब के किनारे से निकालकर पोस्टमार्टम हाउस के लिए भेज दिया। इधर बच्चे के चाचा हरिओम ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार की रात को 1 बजे मेरे पास फोन आया था कि बच्चे को ठोकर लग गई और वह गिर गया है, मैंने इस दौरान अपने जीजा से कहा कि बच्चे के मुंह में थोड़ा सा गंगाजल डाल दो वह ठीक हो जाएगा। जब मैंने देखा तो बच्चा कूलर के सामने अकेला पड़ा हुआ था। उसकी सांस थम चुकी थी। हम तुरंत उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। वहां पर डॉक्टर ने बताया था कि बच्चे के शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे। अब हम चाहते हैं कि मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

संसद भवन के उद्घाटन की आलोचना पर केंद्रीय मंत्री पुरी ने इंदिरा और राजीव का नाम लेकर की कांग्रेस की खिंचाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 28 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नए संसद भवन के उद्घाटन की आलोचना करने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि न्यू पार्लियामेंट बिल्डिंग की आलोचना करने और इसकी आवश्यकता पर सवाल उठाने के बावजूद कांग्रेस अध्यक्ष और अन्य योग्य लोग अब संविधान के एक लेख को उदारतापूर्वक गलत तरीके से पेश करके गोलपोस्ट को स्थानांतरित कर रहे हैं! इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अतीत में माननीय राष्ट्रपति के बारे में अपने नेताओं द्वारा की गई अभद्र टिप्पणियों के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष अब उनके चुनाव पर अनावश्यक और अनावश्यक टिप्पणियां करती हैं!

पुरी ने कहा कि दुखद है कि राष्ट्रीय पार्टी होने का दावा करने वाली कांग्रेस में भारत की प्रगति में राष्ट्रीय भावना और गर्व की भावना का अभाव है। उन्होंने कहा कि अतीत में माननीय राष्ट्रपति के बारे में अपने नेताओं द्वारा की गई अभद्र टिप्पणियों के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष अब उनके चुनाव पर अनावश्यक टिप्पणियां कर रहे हैं! इसके साथ ही कांग्रेस को पाखंड से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यदि वे 24 अक्टूबर 1975 के दिन को याद करें, जिस दिन श्रीमती इंदिरा गांधी ने संसदीय एनेक्सी का उद्घाटन किया था, तब उन्हें बेहतर महसूस करना चाहिए! या फिर 15 अगस्त 1987 को जब राजीव गांधी ने पार्लियामेंट लाइब्रेरी की नींव रखी थी!

पुरी ने कहा कि अब अपने पाखंड को सही ठहराने के लिए लेख खोजने के बजाय वे सिर्फ मुस्कुरा क्यों नहीं सकते और इस महत्वपूर्ण उपलब्धि और महानता की ओर भारत के साथ जुड़ सकते हैं! इसके पहले, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, ''वह (राष्ट्रपति मुर्मू) भारत की प्रथम नागरिक हैं। उनके द्वारा नए संसद भवन का उद्घाटन लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक औचित्य के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक होगा।''

ज्ञानवापी मस्जिद : सभी 8 मामलों को एक साथ, एक ही कोर्ट में सुना जाएगा

वाराणसी । यूपी में ज्ञानवापी मस्जिद में कथित शिवलिंग विवाद पर वाराणसी कोर्ट ने मंगलवार को अहम फैसला सुनाया है। मामले से जुड़ी सभी याचिकाओं को कोर्ट ने एक साथ क्लब करने के आदेश दिए हैं। वाराणसी कोर्ट ने आदेश दिया है कि सभी 8 मामलों को एक साथ, एक ही कोर्ट में सुना जाएगा। दरअसल कोर्ट से अपील की गई थी कि ज्ञानवापी प्रकरण से जुड़े सात मामले एक ही प्रकृति के हैं। इसके बाद उनकी एक साथ सुनवाई हो। जिला जज ने अलग-अलग मुकदमों से संबंधित फाइलें तलब कीं थी। मामले में सभी पक्षों के बयान पहले ही दर्ज हो चुके हैं। इसके पहले सोमवार को भी विवाद पर कोर्ट में सुनवाई हुई थी। विवादित स्थल की कार्बन डेटिंग और ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) तकनीक से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से सर्वे कराने के आवेदन पर अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी ने आपत्ति जताकर अपनी बात रखी। जिला जज डॉ.अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने सुनवाई की अगली तिथि सात जुलाई तय की है।

आज जम्मू-कश्मीर देश के विकसित राज्यों में से एक के रूप में खड़ा: सिन्हा

जम्मू (एजेंसी)। भारत जी20 की अध्यक्षता कर रहा है। पर्यटन पर कार्यकारी समूह की तीसरी बैठक श्रीनगर में हो रही है। इसमें 17 देशों के 60 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। मंगलवार को बैठक का दूसरा दिन है। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि पर्यटन मंत्रालय और भारत सरकार सभी जी20 सदस्य देशों और सभी अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि लोगों और ग्रह को लाभ पहुंचाने वाली स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा दे सके। श्रीनगर में शिल्प कौशल की एक विस्तृत श्रृंखला है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने इस मौके पर कहा कि हमारे यहां दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जहां तक अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और समाज के प्रति हमारे दायित्व का संबंध है, भारत वैश्विक जिम्मेदारी साझा करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि युवा अत्यधिक जानकार हैं और वे भारत के प्रधानमंत्री द्वारा पेश किए गए विशाल अवसरों को देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि श्रीनगर का आमजन पीएम मोदी के नेतृत्व वाली वैश्विक यात्रा का हिस्सा बनना चाहता है। इस बैठक में एलजी मनोज सिन्हा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर हमेशा ज्ञान और लुभावनी परिदृश्य का केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि 30 वर्षों तक शांति की इस भूमि को हमारे पड़ोसी देश द्वारा राज्य प्रायोजित आतंकवाद का शिकार होना पड़ा। सिन्हा ने कहा कि पीएम मोदी राज्य को सशक्त बनाने वाली विकास योजनाएँ लेकर आए। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर अब एक नए युग के लिए खुला है जो शांति और विकास पर केंद्रीत है। आज जम्मू-कश्मीर देश के विकसित राज्यों में से एक के रूप में खड़ा है। इससे पहले इस बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम के लिए अधिकारियों ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है और जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी को सजाया गया है। स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुति के साथ श्रीनगर हवाई अड्डे पर प्रतिनिधियों का भारतीय परंपरा के अनुरूप स्वागत किया गया।

कांग्रेस में गर्व की भावना का अभाव है : हरदीप पुरी

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कांग्रेस में गर्व की भावना का अभाव बताया है। उन्होंने कांग्रेस पर संविधान के एक आर्टिकल को मिसकोट करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि कांग्रेस को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के कार्यकाल को याद करना चाहिए। पुरी ने ट्वीट करते हुए कांग्रेस पर आरोप लगाया कि पहले नए संसद भवन की आवश्यकता पर सवाल उठाने वाली कांग्रेस अब संविधान के एक आर्टिकल को मिसकोट कर अपने गोलपोस्ट को बदलने की कोशिश कर रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर कांग्रेस नेताओं द्वारा पहले की गई अभद्र टिप्पणियों का जिक्र करते हुए पुरी ने कहा कि राष्ट्रीय पार्टी का दावा करने वाली कांग्रेस में भारत की प्रगति को लेकर राष्ट्रीय भावना और गर्व की भावना का अभाव है। उन्होंने कांग्रेस को देश के इस जश्न में शामिल होने की सलाह देते हुए पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के कार्यकाल को याद करने की नसीहत भी दी। उन्होंने कहा कि, यदि वे (कांग्रेस) 24 अक्टूबर 1975 के दिन को याद करेंगे, जिस दिन इंदिरा गांधी ने संसदीय एनेक्सी का उद्घाटन किया था या फिर 15 अगस्त 1987 को याद करेंगे जब राजीव गांधी ने पार्लियामेंट लाइब्रेरी की नींव रखी थी, तो उन्हें बेहतर महसूस होगा। कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए पुरी ने आगे पूछा कि, तो अब अपने पाखंड को सही ठहराने के लिए आर्टिकल खोजने के बजाय वे सिर्फ मुस्कुरा क्यों नहीं सकते और इस महत्वपूर्ण उपलब्धि और महानता की ओर भारत की यात्रा में शामिल हो सकते हैं!

मणिपुर हिंसा पर कपिल सिब्बल का बयान, सांप्रदायिकता का वायरस फैलने से रोकें

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में सोमवार को हुई हिंसा की ताजा घटना पर राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने इसे सांप्रदायिकता का वायरस नाम दिया है। मंगलवार को सिब्बल ने कहा कि कोरोना वायरस केवल इंसान के शरीर को प्रभावित करता है, लेकिन 'सांप्रदायिकता का वायरस' राजनीति को प्रभावित करता है और इसके राजनीतिक लाभ अस्थाई होते हैं, लेकिन दाग हमेशा बने रहते हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इंफाल में एक पूर्व विधायक समेत हथियारबंद चार लोगों ने सोमवार को लोगों को अपनी दुकानें बंद करने के लिए बाध्य किया था, जिसके बाद राज्य में एक बार फिर हिंसा भड़क उठी थी। इंफाल के पूर्व जिले में भीड़ ने दो मकानों में आग लगा दी थी। सिब्बल ने ट्वीट किया कि मणिपुर फिर से सुलग रहा है। पहले की झड़पों में 70 लोग मारे गए थे और 200 लोग घायल हुए थे। उन्होंने कहा कि अगर यह सांप्रदायिकता का वायरस फैलता है, तो इसके परिणामों की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसके राजनीतिक लाभ अस्थाई होते हैं, लेकिन दाग हमेशा बने रहते हैं।

गौरतलब है कि कपिल सिब्बल संयुक्त प्रगतिशील गठबंध (संप्रग) के पहले और दूसरे शासनकाल में केंद्रीय मंत्री थे। उन्होंने पिछले वर्ष मई में कांग्रेस छोड़ दी थी। वह समाजवादी पार्टी (सपा) के सहयोग से राज्यसभा के लिए निर्दलीय सदस्य के तौर पर निर्वाचित हुए थे। सिब्बल ने अन्याय से लड़ाई के लिए गैर चुनावी मंच 'इंसाफ' की स्थापना की है। विपक्ष मणिपुर में हिंसा को लेकर केंद्र और राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर लगातार निशाना साधता रहा है। मणिपुर में आगजनी की ताजा घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अभी सेना और असम राइफल्स के कम से कम दस हजार जवान राज्य में तैनात हैं। मालूम हो कि मणिपुर में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में तीन मई को कई जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' का आयोजन किया गया था, जिसके बाद राज्य में हिंसक झड़पें हुई थीं।

पीएम नरेंद्र मोदी डिग्री केस में सुनवाई 7 जून को

-केजरीवाल और संजय सिंह को नोटिस

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात की एक कोर्ट ने 15 अप्रैल को दिए आदेश में पीएम नरेंद्र मोदी डिग्री केस में आरोपी दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और संजय सिंह को अदालत में पेश होने के लिए कहा था। मंगलवार को सुनवाई की तारीख तय की गई थी। मगर वे दोनों लोग पेश नहीं हुए। याचिकाकर्ता के वकील अमित नायक ने कहा कि ऐसा लगता है कि सम्मन में बहुत स्पष्टता नहीं थी। इसलिए जज ने आदेश दिया है कि दोनों आरोपियों को शिकायत की कॉपियों के साथ नए सम्मन जारी किए जाएं। सुनवाई की अगली तारीख 7 जून तय की गई है।

अहमदाबाद की अदालत ने केजरीवाल और आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री को लेकर गुजरात विश्वविद्यालय के खिलाफ उनके कथित व्यंग्यात्मक और अपमानजनक बयानों के लिए आपराधिक मानहानि की शिकायत में 15 अप्रैल को एक सम्मन जारी किया गया था। अहमदाबाद के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट जयेशभाई चोवाटिया की अदालत ने आप के दोनों नेताओं को 23 मई को तलब किया था। गुजरात विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार पीयूष पटेल की एक शिकायत पर यह देखने के बाद कि उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया भारतीय दंड संहिता की धारा 500 (मानहानि) के तहत मामला बनता है, कोर्ट ने केजरीवाल और संजय सिंह को सम्मन भेजा था।

देश उत्तरी और मध्य भागों में पारा 44 डिग्री के पार

-दक्षिण में भारी बारिश का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के उत्तरी और मध्य भागों में पारा 44 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चढ़ने के साथ भारत में गर्मी अपने चरम पर है। दिल्ली के नजफगढ़ में सोमवार को सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 46.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, नरेला और पीतमपुरा में क्रमशः 45.3 डिग्री सेल्सियस और 45.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि आयानगर में 44.4 डिग्री सेल्सियस और पालम में 44.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बढ़ते तापमान को देखकर मौसम विभाग ने उत्तर भारत के लिए लू का अलर्ट जारी किया है।

आईएमडी के वैज्ञानिक सोमा सेन रॉय ने कहा, हमने दक्षिण हरियाणा, दिल्ली, दक्षिण उत्तर प्रदेश, उत्तर मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल के लिए लू का अलर्ट जारी किया है।

आईएमडी के वैज्ञानिक ने बताया कि मंगलवार से लू से राहत मिलेगी है। उन्होंने कहा,हम सुधार देख सकते हैं, क्योंकि एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ आ रहा है। इसलिए, हम उम्मीद कर रहे हैं कि इस पूरे क्षेत्र में तापमान गिरना शुरू हो जाएगा और लू की स्थिति में सुधार होगा।

आईएमडी ने कहा कि आने वाले दिनों में लू से कुछ राहत मिल सकती है क्योंकि मौसम विभाग ने सुझाव दिया है कि मंगलवार (23 मई) से लू कम हो सकती है। दक्षिण भारत में भारी बारिश

देश के कुछ दक्षिणी राज्यों में भारी बारिश हो रही है। दक्षिण भारत में मंगलवार और आने वाले दिनों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। केरल, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्यों में आज भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि तमिलनाडु में औसत से कम बारिश होने की संभावना है।

वेश्यावृत्ति अपराध नहीं है लेकिन.., सत्र न्यायालय की अहम टिप्पणी

मुंबई (एजेंसी)। देह व्यापार से जुड़े मामले में मुंबई सत्र न्यायलय ने अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि वेश्यावृत्ति अपराध नहीं है। लेकिन अगर इसे सार्वजनिक स्थान पर किया जाता है और इससे दूसरे लोगों को परेशानी होती है या उन्हें गलत लगता है, तो यह अपराध की श्रेणी में आता है। मिली जानकारी के मुताबिक इस साल फरवरी के महीने में पुलिस ने मुंबई के मुलुंड इलाके में छापेमारी कर एक महिला को देह व्यापार के आरोप में गिरफ्तार किया था. इसके बाद महिला को स्थानीय मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया। अदालत ने महिला को एक साल के लिए मुंबई के देवनार सुधार गृह में भेजने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि महिला को एक साल तक सुधार गृह में रखा जाए। जिससे उसकी सही देखभाल हो सके। मजिस्ट्रेट कोर्ट के इस आदेश के खिलाफ महिला ने बॉम्बे सेशंस कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने यह टिप्पणी की है। साथ ही महिला को सुधार गृह से मुक्त करने का भी आदेश दिया गया है।

- कोर्ट ने क्या कहा?

सेशन कोर्ट ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के फैसले को पलटते हुए कहा कि अनुच्छेद 19 के तहत नागरिकों को देश के किसी भी हिस्से में स्वतंत्र रूप से आने-जाने और कहीं भी रहने का अधिकार है. इस मामले में कोर्ट ने कहा कि महिला बालिग है और भारत की नागरिक है. ऐसे में वह कहीं भी रह सकती है और कहीं भी आ-जा सकती है। यह उसका अधिकार है। उसे ऐसा करने से रोकना अनुच्छेद 19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का उल्लंघन होगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि पुलिस रिपोर्ट में यह नहीं दिखाया गया है कि महिला सार्वजनिक स्थानों पर देह व्यापार में लिप्त थी। कोर्ट ने कहा, किसी महिला को उसके काम और पुरानी जिंदगी के आधार पर उसकी मर्जी के खिलाफ हिरासत में रखना सही नहीं है। पीड़िता के दो बच्चे हैं जिन्हें मां की जरूरत है। जज ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भी हवाला दिया है. अदालत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को एक सर्वेक्षण करने और सेक्स वर्कर्स (जो वयस्क हैं) को रिहा करने के स्पष्ट आदेश दिए हैं, जिन्हें सुधार गृहों में उनकी इच्छा के विरुद्ध रखा गया है। स्वतंत्रता के साथ जीना उनका मौलिक अधिकार है, जिसका किसी भी तरह से उल्लंघन नहीं किया जा सकता है।

बृजभूषण सिंह का दावा, कांग्रेस के साथ चुनाव की तैयारी कर रहे पहलवान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष और कैसरगंज से बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा है ?कि जंतर मंतर पर धरना दे रहे पहलवान कांग्रेस के साथ ?मिलकर अगले चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। गौरतलब है कि देश की राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले लगभग एक महीने से महिला पहलवान खिलाड़ियों का धरना प्रदर्शन चल रहा है। इस दौरान उन्हें बहुत से राजनीतिक दलों का समर्थन मिल रहा है। इसी बीच अब बृजभूषण शरण सिंह ने पहलवानों के धरने को लेकर एक बड़ा दावा किया है। महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए आरोपों का सामना कर रहे बीजेपी सांसद ने खिलाड़ियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि, खिलाड़ी प्रैक्टिस कर रहे हैं। वो जंतर-मंतर पर धरना नहीं दे रहे हैं। उन्होंने ये भी कहा कि ये वो खिलाड़ी हैं, इनका खेल हो चुका है। अब ये चुनाव लड़ेंगे, हुड्डा साहब जिंदाबाद और कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद के नारे लगायेंगे।

इससे पहले बृजभूषण शरण सिंह ने कहा था कि अपने नार्को टेस्ट के लिए तैयार हैं। वो एक मिनट भी नार्को टेस्ट से पीछे हटने वाले नहीं है। वहीं, पहलवानों के प्रदर्शन को लेकर बीजेपी एमपी बृजभूषण शरण सिंह के निजी सचिव ने कहा कि हम सुन रहे हैं कि जंतर मंतर पर पहलवानों की तरफ से आवाज उठाई जा रही है। खास करके इसमें दो लोग उस बात को उठा रहे हैं। एक तो पहलवान विनेश फोगाट और दूसरा इसमें समर्थन देने वाले पहलवान बजरंग पुनिया हैं। बृजभूषण सिंह एक भी मिनट नार्को टेस्ट से पीछे हटने वाले नहीं है।

अगले साल के आखिर तक अमेरिका जैसी होंगी राजस्थान की सड़कें : गडकरी

हनुमानगढ़ । केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि अगले साल के आखिर तक राजस्थान की सड़कें अमेरिका जैसी बना दी जाएंगी। राजस्थान इससे सुखी, समृद्ध और संपन्न प्रदेश बनेगा। वो हनुमानगढ़ जिले के पक्का सारणा गांव में एक उदघाटन एवं शिलान्याय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। गडकरी ने कहा कि गांव को सुखी समृद्ध बनाना ही हम सबका मकसद है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी की बात अक्सर दोहराते हैं जिन्होंने कहा था कि अमेरिका धनवान है इसके कारण अमेरिका के रास्ते (सड़कें) अच्छे नहीं हुए, अमेरिका के रास्ते अच्छे हैं इस कारण अमेरिका धनवान है। गडकरी ने कहा कि हम राजस्थान के रास्ते (सड़कें) 2024 समाप्त होने से पहले अमेरिका की तरह बनाकर देंगे, यह वचन मैं आपको देता हूं। उन्होंने कहा कि फिर (इन) रास्तों के कारण राजस्थान भी एक सुखी, समृद्ध एवं संपन्न प्रदेश बनेगा। मंत्री ने कहा कि गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी से मुक्ति मिलनी चाहिए। किसान के खेत को पानी मिलना चाहिए, युवाओं के हाथों को रोजगार मिलना चाहिए, देश का आयात बंद होना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141480

या फोटा, वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर, ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com